मनेन्द्रगढ़
28 मार्च 2026 शनिवार
दैनिक मीडियाऑडीटर
मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

नए इनकम टैक्स एक्ट से लेकर ट्रेन टिकट रिफंड तक

एक अप्रैल से लागू होंगे कई बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी । नया वित्त वर्ष शुरू होने में कुछ ही दिन का समय शेष रह गया है। हर नए वित्त वर्ष के साथ कुछ न कुछ बदलाव जरूर होते हैं इसका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ता है, जिसके बारे में हम इस आर्टिकल में बताने जा रहे हैं। नया इनकम टैक्स एक्ट, 2025 एक अप्रैल से पुराने इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह लेगा। इसके जरिए सरकार की कोशिश इनकम टैक्स से जुड़े कानून और शब्दावली को सरल बनाना है। नए इनकम टैक्स में असेसमेंट ईयर जैसे शब्दों को हटा दिया गया है और अब इसकी जगह टैक्स ईयर शब्द का उपयोग किया जाएगा।

नए वित्त वर्ष के साथ ही न्यू टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपए तक की आय टैक्स छूट के दायरे में आ जाएगी। ऐसे में अगर आपकी आय 12 लाख रुपए तक है तो सेक्शन 87ए से आपकी पूरी आय टैक्स फ्री हो जाएगी।

फॉर्म 16 और फॉर्म 16ए को 1 अप्रैल से फॉर्म 130 और फॉर्म 131 से बदल दिया जाएगा। कर संबंधी नियमों

का सुचारू रूप से पालन सुनिश्चित करने और कर दाखिल करने में स्पष्टता लाने के लिए इनके जारी करने की समयसीमा में संशोधन किया जा सकता है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अब पैन आवेदन के लिए जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में केवल आधार कार्ड को स्वीकार नहीं करेगा, बल्कि इसके लिए कक्षा 10 का प्रमाण पत्र और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों की आवश्यकता होगी।

भारतीय रेलवे ने टिकट कैंसिलेशन से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। यह नए नियम 1 अप्रैल से लागू होंगे। अगर रेलवे टिकट को ट्रेन के चलने से 8 से लेकर 24 घंटे के बीच में रद्द कर दिया जाता है तो कुल टिकट की कीमत का 50 प्रतिशत रिफंड के रूप में मिलेगा। अगर टिकट को ट्रेन के चलने के 24 से लेकर 72 घंटे के बीच में रद्द कर दिया जाता है तो कुल टिकट की कीमत का 25 प्रतिशत रिफंड मिलेगा। अगर टिकट को ट्रेन के चलने के 72 घंटे से अधिक पहले रद्द किया जाता है, तो अधिकतम कैंसिलेशन शुल्क लागू होगा, हालांकि, पूर्ण टैक्स रिफंड नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में रिफंड भारतीय रेलवे के नियमों और शर्तों पर निर्भर करती है, जो परिवर्तन के अधीन हैं।

यूएस एंबेसी ने पीएम मोदी के लिए ट्रंप के बयान को दोहराया

पीएम को 'काम पूरा करने वाला लीडर' बताया

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत में अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें 'काम पूरा करने वाले नेता' बताया था।

इसके साथ ही, दूतावास ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के संबंध और मजबूत होंगे। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच दूतावास के सोशल मीडिया पोस्ट ने अपनी टाइमिंग और मैसेज की वजह से ध्यान खींचा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'भारत के साथ हमारे शानदार संबंध आगे और भी मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी और मैं दो ऐसे लोग हैं जो काम पूरा करते हैं, ऐसा ज्यादातर लोगों के बारे में नहीं कहा जा सकता।' यह अपडेट दोनों नेताओं के बीच मंगलवार को फोन पर हुई बातचीत के बाद आई है। मंगलवार को टेलीफोनिक बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने ईरान संघर्ष को लेकर अहम चर्चा की। कॉल के बाद, पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति बहाली और वैश्विक व्यापार के लिए होर्मुज स्ट्रेट की रणनीतिक अहमियत पर भारत का पक्ष दोहराया। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'राष्ट्रपति ट्रंप का फोन आया और पश्चिम एशिया के हालात पर विचारों का अच्छा लेन-देन हुआ।

केशव पुरम इलाके में एक घर में लगी आग पांच लोग झुलसे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के केशव पुरम थाना इलाके में एक मकान में आग लगने से दहशत फैल गई। इस घटना में 5 लोगों को घायल होने की सूचना है। मौके पर तीन दमकल गाड़ियां और केशव पुरम पुलिस स्टेशन की टीमें पहुंचीं, जिन्होंने आग बुझाने की कोशिश की। जानकारी के अनुसार, यह घटना केशव पुरम थाना इलाके के त्रिनगर अनाज मंडी के पास हुई। मकान में सुबह करीब 7 बजे आग लगी। हालांकि, अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। दिल्ली अग्निशमन सेवा को सुबह 7:10 बजे तीसरी मंजिल पर स्थित एक घर में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद मौके पर दमकल विभाग की तीन गाड़ियां पहुंचीं। केशव पुरम पुलिस स्टेशन की टीमें और एक एम्बुलेंस भी घटनास्थल पर भेजी गई। बताया गया कि आग पूरे मकान में फैल गई और इस दौरान 5 लोग झुलस गए। पुलिस और एंबुलेंस के मौके पर पहुंचने के बाद सभी घायलों को अस्पताल भेजा गया। ज्ञात हो कि राजधानी दिल्ली में पिछलों आग लगने की घटना में कम से कम 9 लोगों की मौत हुई थी। 18 मार्च को दिल्ली के पालम इलाके में एक इमारत में आग लगी थी। यह इमारत राजेंद्र कश्यप की थी, जिसमें बेसमेंट, ग्राउंड और पहली मंजिल पर कपड़े और कॉस्मेटिक का शोरूम था। दूसरी-तीसरी मंजिल पर परिवार रहता था। मरने वालों में तीन बच्चियां भी शामिल थीं।

दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस

जांच के लिए एनआईए को मिला 45 दिन का और समय

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए भीषण ब्लास्ट मामले में जांच को आगे बढ़ाने के लिए अदालत ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को 45 दिन का अतिरिक्त समय दिया है। पटियाला हाउस कोर्ट की एनआईए अदालत ने यह समय एजेंसी की मांग पर बढ़ाया है। एनआईए ने दूसरी बार कोर्ट से समय बढ़ाने की अपील की थी, जिसे शुक्रवार को मंजूरी मिल गई। एजेंसी का कहना है कि जांच के दौरान कई नए सुराग सामने आए हैं और बड़े पैमाने पर डिजिटल सबूतों की जांच की जा रही है, जिसके लिए अतिरिक्त समय जरूरी है। एनआईए ने दावा किया है कि इस मामले के तार केवल भारत तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जुड़े हो सकते हैं। एजेंसी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। जांच के दौरान आरोपियों से कुछ कट्टरपंथी अरबी लेख भी बरामद हुए हैं। इन्हें समझने और विश्लेषण करने के लिए एनआईए ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एक अरबी विशेषज्ञ की मदद ली है। इसके अलावा आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए एक व्हाट्सएप ग्रुप की पहचान भी की गई है, जिसकी गहन जांच जारी है। कुछ संदिग्ध मोबाइल नंबरों की भी पड़ताल की जा रही है।

रामलला का सूर्य तिलक, 9 मिनट ललाट पर पड़ीं किरणें, अयोध्या में 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे

पंचामृत से अभिषेक, स्वर्ण जड़ित पीतांबर पहनाया

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या । रामनगरी अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में रामनवमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का भव्य और अलौकिक आयोजन हुआ। दोपहर ठीक 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में सूर्य की किरणों ने रामलला के ललाट पर 'सूर्य तिलक' किया, जिससे पूरा मंदिर परिसर दिव्य आभा से आलोकित हो उठा और श्रद्धालु भावविभोर हो गए। रामनवमी के मौके पर आयोजित इस विशेष अनुष्ठान में सूर्य की किरणें वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से सीधे गर्भगृह तक पहुंचाई गईं और करीब नौ मिनट तक रामलला के ललाट पर केंद्रित रहीं। इसे भगवान राम के जन्म क्षण का प्रतीकात्मक पुनर्सृजन माना गया। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यह दूसरा अवसर है जब रामलला का सूर्य तिलक संपन्न हुआ। जानकारी के अनुसार इस दौरान गर्भगृह में 14 पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच

विशेष पूजा-अर्चना और पंचामृत अभिषेक किया। इसके पश्चात आरती हुई और भगवान को स्वर्ण जड़ित पीतांबर, मुकुट व आभूषणों से सजाया गया। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रामलला को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग भी अर्पित किया गया। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के पाइप, लेंस और दर्पणों से युक्त करीब 65 फीट लंबी विशेष प्रणाली तैयार की गई है। इसके जरिए सूर्य की किरणों को परावर्तित कर सटीक कोण पर रामलला के मस्तक तक पहुंचाया गया, जिससे लगभग 75 मिमी आकार का तिलक बना।

इससे पहले लगातार तीन दिनों तक इस प्रक्रिया का सफल ट्रायल किया गया था, ताकि निर्धारित समय पर सटीकता के साथ सूर्य तिलक संपन्न कराया जा सके। रामनवमी के अवसर पर अयोध्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर लंबी कतारें देखी गईं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह-जगह एलईडी स्क्रीन लगाई गईं, जिनके माध्यम से जन्मोत्सव के प्रत्येक क्षण का सीधा प्रसारण किया गया।

मंदिर प्रशासन ने इस अवसर पर दर्शन का समय भी बढ़ाकर सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक कर दिया, जिससे श्रद्धालु अधिक समय तक दर्शन कर सकें। धार्मिक दृष्टि से भी इस बार की रामनवमी अत्यंत विशेष मानी जा रही है, क्योंकि रवि योग और सर्वार्थसिद्धि योग का दुर्लभ संयोग बना है, जिसने इस पर्व के महत्व को और अधिक बढ़ा दिया है। पूरे आयोजन के दौरान अयोध्या नगरी भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आई। साधु-संत, श्रद्धालु और ट्रस्ट से जुड़े लोग भजन-कीर्तन और उत्सव में झूमते दिखाई दिए, जिससे रामनवमी का यह पर्व अपने चरम उल्लास पर पहुंच गया।

किरेन रिजिजू ने पीएम मोदी की फ्यूल ड्यूटी में कटौती की सराहना की, कहा-

न लॉकडाउन लगेगा, न ईंधन की कमी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी । देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर उठ रही चिंताओं और लॉकडाउन की अफवाहों के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ किया कि देश में किसी भी तरह का लॉकडाउन नहीं लगाया जा रहा है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की कि वे जमाखोरी रोकें और ईंधन की सप्लाई को सुचारु बनाए रखें। केंद्रीय संसदीय मंत्री रिजिजू ने केंद्र सरकार के उस फैसले की जमकर सराहना की, जिसमें पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती की गई है। उन्होंने इसे आम लोगों को राहत देने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं पूरे देश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना चाहता हूं। ऐसे कठिन समय में, जब दुनिया के जिस क्षेत्र से हमें गैस और पेट्रोलियम उत्पाद मिलते हैं, वहां युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है, उस समय इतना बड़ा फैसला लेना कोई सामान्य बात नहीं है। '

उन्होंने आगे कहा कि सरकार का मकसद साफ है कि देश के किसी भी नागरिक को रोजमर्रा की जिंदगी में परेशानी न हो। प्रधानमंत्री ने आज दिखा दिया है कि किसी भी भारतीय को अपने दैनिक जीवन में किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हर आम व्यक्ति समझता है कि हमारे देश में गैस और तेल का उत्पादन बहुत कम होता है और हम आयात पर निर्भर हैं। ऐसे में कीमतों को नियंत्रित

रखना और बढ़ने से रोकना बहुत बड़ा फैसला है।

किरेन रिजिजू ने बताया कि पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी अब सिर्फ 3 रुपए रह गई है, जबकि डीजल को पूरी तरह ड्यूटी-फ्री कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद लोगों में खुशी का माहौल है और कई लोगों ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद भी दिया है।

संसद के संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस फैसले का स्वागत सांसद भी करेंगे। आज संसद सत्र फिर से बुलाया जा रहा है। हमारे सांसद, जो जनता के प्रतिनिधि हैं, वे भी इस बड़े फैसले का स्वागत करेंगे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय संसद के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है।

लॉकडाउन की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, 'ये अफवाहें कौन फैला रहा है? प्रधानमंत्री ने साफ कहा है कि किसी तरह की घबराहट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लोगों को चेतावनी दी है कि पैनिक न करें। साथ ही राज्य सरकारों से कहा गया है कि जमाखोरी को रोका जाए और कोई भी ऐसी स्थिति न बनने दी जाए जिससे लोगों में डर फैले। '

केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया कि भारत सरकार पूरी तरह स्थिति पर नियंत्रण में है। साथ ही राज्य सरकारों को उनकी जिम्मेदारी भी याद दिलाई। जब केंद्र सरकार ने इतना बड़ा फैसला लिया है, तो राज्य सरकारों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे सुनिश्चित करें कि कहीं भी गैस, पेट्रोल और डीजल की कमी न हो। इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। कांग्रेस पार्टी के अंदरूनी नेतृत्व विवाद पर पूछे गए सवाल पर किरेन रिजिजू ने संयमित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस किसे अपना नेता चुनती है, यह उनका आंतरिक मामला है। लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि उनका नेता सकारात्मक सोच वाला हो और संसदीय लोकतंत्र, नियमों और परंपराओं का सम्मान करे। ' उन्होंने सभी से अपील की कि इस फैसले को जमीन पर सही तरीके से लागू करने के लिए मिलकर काम करें। यह संकट का समय है। हमें एक टीम की तरह काम करना होगा।

एक्साइज ड्यूटी में कटौती को विपक्ष ने बताया चुनावी स्टंट

पेट्रोल और डीजल पर केंद्र सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। जहां एक ओर सरकार के इस फैसले को आम जनता को राहत देने वाला कदम बताया जा रहा है, वहीं विपक्षी दल इसे राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया कदम बता रहे हैं।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इससे आम लोगों को वास्तविक फायदा कितना मिलेगा। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार को केवल दिखावटी राहत देने के बजाय स्थायी समाधान पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि यह कदम पूरी तरह राजनीतिक है। सरकार एक तरफ एक्साइज ड्यूटी में कटौती कर रही है, जबकि दूसरी तरफ अन्य तरीकों से जनता पर आर्थिक बोझ डालकर इसकी भरपाई की जा सकती है।

जोधपुर में सजेगी दो आईपीएस अधिकारियों की शहनाई

बाड़मेर के के.के. बिश्नोई और बरेली एसपी अंशिका वर्मा रचायेंगे ब्याह

जोधपुर/बाड़मेर, एजेंसी। राजस्थान की 'सन सिटी' जोधपुर एक बार फिर एक भव्य शाही शादी का गवाह बनने जा रही है। उत्तर प्रदेश कैडर के दो प्रभावशाली आईपीएस अधिकारी विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं। मूलतः बाड़मेर के निवासी और वर्तमान में संभल के एसपी के.के. बिश्नोई और बरेली की एसपी अंशिका वर्मा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लेंगे। बाड़मेर में शुरू हुई रस्में, जोधपुर में होगा रिसेप्शन 25 मार्च को संभल में सगाई (दस्तूर) के बाद अब राजस्थान में वैवाहिक रस्मों का आगाज हो चुका है।

धोरीमन्ना में उत्सवः के.के. बिश्नोई के पैतृक गांव धोरीमन्ना में आज से घी पिलाने, हल्दी और संगीत के कार्यक्रम शुरू हो रहे हैं, जिसमें मारवाड़ी परंपराओं की झलक देखने को मिलेगी। बारात का शेड्यूलः 28 मार्च को बारात सभा का आयोजन होगा, जिसके बाद 29 मार्च को बारात बाड़मेर से जोधपुर के लिए रवाना होगी। विवाह का मुख्य समारोह और रिसेप्शन 30 मार्च को जोधपुर के प्रसिद्ध लहरिया रिसोर्ट में आयोजित किया जाएगा।

केंद्र ने कमर्शियल एलपीजी के आवंटन को बढ़ाकर 70 प्रतिशत किया, अधिक श्रम उपयोग वाले क्षेत्रों को मिलेगी प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर्स के आवंटन का कोटा बढ़ाकर कुल मांग का 70 प्रतिशत कर दिया है, जो कि पहले 50 प्रतिशत था। इससे उन उद्योगों को राहत मिलेगी, जो कि बड़े स्तर पर अपने संचालन के लिए एलपीजी पर निर्भर है। 70 प्रतिशत कोटे में इस्पात, ऑटोमोबाइल, वस्त्र, रंगाई, रसायन और प्लास्टिक जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी क्योंकि ये अन्य आवश्यक उद्योगों को भी सहयोग प्रदान करते हैं।

इन क्षेत्रों में, प्रक्रिया उद्योगों या उन उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्हें हिटिंग के लिए एलपीजी की आवश्यकता होती है और जिनका विकल्प प्राकृतिक गैस नहीं हो सकता। सरकारी आदेश में कहा गया है कि वर्तमान में किए जा रहे 50 प्रतिशत

आवंटन के अतिरिक्त, 20 प्रतिशत का और आवंटन प्रस्तावित है, जिससे कुल वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन संकट-पूर्व स्तर के पैक किए गए गैर-घरेलू एलपीजी के 70 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया कि अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन का लाभ उठाने के लिए, सभी वाणिज्यिक और औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ताओं को तेल विपणन कंपनियों के साथ पंजीकरण कराना होगा और अपने-अपने शहरों में शहरी गैस वितरण इकाई के पास पीएनजी के लिए आवेदन करना होगा।

इससे पहले 21 मार्च को जारी किए गए अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन में रेस्तरां, ढाबे, होटल, औद्योगिक कैंटीन, खाद्य प्रसंस्करण/डेयरी, राज्य सरकार या स्थानीय निकायों द्वारा संचालित रियायती कैंटीन/आउटलेट, सामुदायिक रसोई और प्रवासी श्रमिकों के लिए 5 किलो (मुक्त व्यापार एलपीजी) एफटीएल जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई थी।

पेट्रोलियम मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 25 मार्च तक प्रवासी श्रमिकों को 37,000 से अधिक 5 किलो एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।

आईओसी का बड़ा फैसला

ट्रांसजेंडर महिलाएं ओलंपिक में महिला कैटेगरी में भाग नहीं ले सकेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर महिलाओं को लेकर बड़ा फैसला लिया है। आईओसी ने ऐलान किया है कि 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और भविष्य में होने वाले खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं अब महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की नई नीति के मुताबिक, अब बायोलॉजिकल महिलाओं (जो जन्म से महिला हैं) को ही महिला कैटेगरी में हिस्सा लेने की अनुमति होगी। लिंग की पुष्टि करने के लिए खिलाड़ियों को एक बार जीन टेस्ट से गुजरना होगा। थूक, ब्लड सैंपल या गाल की मदद से इस टेस्ट को किया जा सकेगा। हालांकि, जन्म के

समय जो एथलीट महिला थे और अब खुद को ट्रांसजेंडर की श्रेणी में गिनते हैं, वह महिला स्पर्धाओं में हिस्सा ले सकेंगे। आईओसी की प्रेसिडेंट क्रिस्टी कोवेंट्री ने कहा कि यह बड़ा फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला कैटेगरी में मुकाबला करना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

उन्होंने कहा, 'हमने जिस पॉलिसी का ऐलान किया है वह साइंस पर आधारित है और इसे मेडिकल सलाहकारों ने लीड किया है। ओलंपिक गेम्स में जीत और हार के बीच सबसे छोटा अंतर भी फर्क डाल सकता है। इसी कारण यह बिल्कुल साफ है कि बायोलॉजिकल पुरुषों का महिलाओं की कैटेगरी में मुकाबला करना सही नहीं होगा। इसके अलावा, कुछ खेलों में यह बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा। हर एथलीट के साथ इज्जत व सम्मान से पेश आना चाहिए और एथलीटों को अपनी जिंदगी में सिर्फ एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी। '

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

रोहित चौधरी गैंग का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की एनआर-ढ्ढढ्ढ टीम ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। एसीपी गिरीश कौशिक की सतर्क निगरानी और इंस्पेक्टर संदीप स्वामी के कुशल नेतृत्व में पुलिस ने प्रदीप गुलाटी उर्फ पारस को गिरफ्तार किया है। प्रदीप गुलाटी, रोहित चौधरी गैंग का एक सक्रिय सदस्य है और दिल्ली के कालकाजी का निवासी है। उसके पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार और गोलियां बरामद की गई हैं। इस गिरफ्तारी के बाद संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। हेड कॉन्स्टेबल सुमित कुमार को गैंग के सदस्यों द्वारा जबरन वसूली, अवैध हथियार सप्लाई और हिंसक गतिविधियों में शामिल होने की खुफिया जानकारी मिली। इसके बाद क्राइम ब्रांच की एक टीम ने निगरानी और जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि अरविंद गुप्ता उर्फ डिसिल्वा, रोहित चौधरी गैंग का एक सक्रिय सदस्य है, जो अवैध हथियार सप्लाई कर रहा था और अपहरण व वसूली जैसी गंभीर घटनाओं की योजना बना रहा था। आगे की जांच में यह भी जानकारी मिली कि उसका साथी प्रदीप गुलाटी उर्फ पारस कालकाजी में हथियार जमा कर रखता है।

26 फरवरी को एसआई प्रदीप ढुल, एसआई सुखविंदर सिंह, एसआई रवि राणा, एएसआई सुनील कुमार, एचसी सुमित कुमार, एचसी राज आर्यन, एचसी नितिन कुमार, एचसी अजय सहवात, एचसी नवल कुमार, एचसी सुमेर सिंह, एचसी योगेंद्र, कॉन्स्टेबल योगेंद्र और कॉन्स्टेबल नितेश की टीम को इंस्पेक्टर संदीप कुमार के नेतृत्व में और एसीपी गिरीश कौशिक की निगरानी में इस जानकारी की सत्यता जांचने और अपराधियों को पकड़ने के लिए तैनात किया गया। टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर जमीन पर सावधानीपूर्वक निगरानी की और ऑपरेशन को पूरी सुरक्षा के साथ अंजाम दिया।

गिरफ्तारी के बाद प्रदीप गुलाटी से पूछताछ में पता चला कि वह अरविंद गुप्ता का करीबी साथी है। उसने बताया कि अरविंद गुप्ता ने उसे एक महीने पहले हथियार और गोलियां दी थीं ताकि वह उन्हें सुरक्षित रखे और भविष्य में वसूली और आतंक फैलाने वाले अपराधों में इस्तेमाल कर सके।

पुलिस ने उसके कब्जे से 3 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, 1 देसी कट्टा और 22 जिंदा राउंड के साथ एक लाल बैग बरामद किया।

जानकारी के अनुसार, प्रदीप गुलाटी पंजाब के जालंधर का निवासी है, लेकिन उसका परिवार 1998 में दिल्ली आकर दाबड़ी, जनकपुरी में बस गया। उसने 10वीं तक पढ़ाई की, लेकिन खराब संगति और जुआ व शराब की आदतें पकड़ गईं। क्रिकेट बेटिंग में भारी नुकसान होने के कारण वह आर्थिक रूप से दबाव में था। लगभग एक साल पहले उसकी मुलाकात अरविंद गुप्ता से हुई, जिसने उसे गैंग में शामिल कर लिया और वह गैंग के लिए काम करने लगा।

दिल्ली में चार दिन बारिशः
मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मौसम विभाग ने चार दिन तेज हवाओं के साथ बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। ऐसे में 28 मार्च को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इससे दिल्ली के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान तेज हवाएं चलने का अनुमान है। बारिश के बाद तापमान में भी हल्की गिरावट आने की उम्मीद है। ऐसे में बृहस्पतिवार देर रात से मौसम बदलने की संभावना है।

कल गरज और चमक के साथ बारिश के आसार : मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को भी बादल छाए रहेंगे। ऐसे में सुबह से दोपहर के बीच गरज चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं, 28 मार्च को मौसम थोड़ा शांत रहेगा।

तेज धूप ने लोगों को किया परेशान

गुरुवार को दिनभर तेज धूप के चलते लोगों को गर्मी का अहसास हुआ। इस दौरान अधिकतम तापमान 34.8 और न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 77 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 25 प्रतिशत रही।

दिल्ली पुलिस ने रेलवे लाइन के पास से अवैध जुआ रैकेट का किया भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के ऑपरेशंस सेल की टीम ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली कैंट रेलवे लाइन के पास चल रहे एक जुआ रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने सात जुआरियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से नकदी सहित कई आपत्तिजनक सामान बरामद किए।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई। सूचना में बताया गया था कि 'राजा' नाम का व्यक्ति अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली कैंट क्षेत्र में रेलवे लाइन के पास जुए का संचालन कर रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर राम कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जो एसीपी ऑपरेशंस की निगरानी में काम कर रही थी। टीम ने पहले इलाके में स्थानीय स्तर पर जांच और पूछताछ की तथा सूचना की पुष्टि होने के बाद एक सुनियोजित तरीके से छापा मारा। मौके पर सात लोग नंबरिंग पैड के माध्यम से जुआ खेलते हुए पकड़े गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सलीम खान उर्फ राजा (40), जासिम खान (29), अभिषेक (22), सन्नी कुमार (40), पवन (48), रमेश चंद (52) और मोहम्मद बाशिम (26) के रूप में हुई है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 36,050 रुपए की दांव की रकम, एक फ्लेक्स चार्ट, दो बॉल पेन, दो नोट पैड, एक कैलकुलेटर और तीन कार्बन पेपर बरामद किए। बरामद सामग्री से यह स्पष्ट होता है कि मौके पर संगठित तरीके से जुआ संचालित किया जा रहा था।

पूछताछ में मुख्य आरोपी सलीम उर्फ राजा ने स्वीकार किया कि वह इस जुआ रैकेट का संचालन करता था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, वह पहले भी जुआ अधिनियम के तहत तीन मामलों में शामिल रह चुका है, जो डबरी, बिंदापुर और दिल्ली कैंट थानों में दर्ज हैं।

इस मामले में दिल्ली कैंट पुलिस स्टेशन में दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट की धारा 12/9/55 के तहत एफआईआर संख्या 233/26 दर्ज की गई है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और बरामद सामान को जब्त कर लिया गया है। पुलिस अब इस रैकेट से जुड़े अन्य संभावित लोगों और नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। इनके गैंग का पता लगाने के लिए टीम का गठन किया गया है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

द्वारका पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बाइक चोरी और लूट में शामिल 7 सीसीएल पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका जिले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने बाइक चोरी के मामलों में शामिल सात सीसीएल (कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों) के एक ग्रुप को पकड़ा है। इनके कब्जे से तीन चोरी की गई मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई। जानकारी के अनुसार, यह घटना 15 मार्च को दोपहर 1:50 बजे हुई। शिकायतकर्ता निखिल, जो कि मोहन गार्डन के लक्ष्मी विहार के निवासी हैं, अपने भांजे के साथ टीवीएस राइडर बाइक पर काकरोला गंदा नाला सर्विस रोड पर गए थे। ईंधन भरवाने के बाद लगभग 200 मीटर अंदर जाते ही चार अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने चाकू दिखाकर धमकाया, हमला किया और न केवल उनकी बाइक, बल्कि 2000 रुपए भी छीन लिए। इस शिकायत के आधार पर द्वारका नॉर्थ पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी कुशल पाल सिंह ने स्पेशल स्टाफ की टीम गठित की। इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की अगुवाई में टीम ने घटनास्थल पर जाकर शिकायतकर्ता से मुलाकात की। शुरुआती जांच में सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिला। इसके बाद टीम ने पीछे और आगे के रास्तों को ट्रैक किया। करीब 10 किलोमीटर के क्षेत्र में 500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया और स्थानीय सूत्रों की मदद से 6 नाबालिगों को हिरासत में लिया गया। इनके कब्जे से चोरी की गई बाइकें भी बरामद की गई। जांच के दौरान एक और सीसीएल पकड़ा गया और तीसरी चोरी की गई बाइक भी बरामद हुई।

दिल्लीः पैसे मांगने घर पहुंचा युवक, इनकार पर चाकू से महिला पर किया हमला, हालत गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। मयूर विहार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक महिला पर हत्या के प्रयास का मामला सामने आया है। घटना बुधवार की रात हुई, जिसमें गंभीर रूप से घायल एक महिला को लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मयूर विहार पुलिस को अस्पताल से सूचना मिली कि अफसाना नामक महिला घायल अवस्था में आई है। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर महिला से पूछताछ की। महिला ने बताया कि उसी दिन लगभग 9:45 बजे उसका चचेरा भाई असलम, जो बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के गांव चिट्ठी का निवासी है और ब्लॉक-27 में बिरयानी कॉर्नर में काम करता है, उसके घर आया। असलम ने कथित तौर पर महिला को गालियां दीं और उससे पैसे की मांग की। जब महिला ने पैसे देने से इनकार किया, तो असलम आक्रोशित हो गया और गुस्से में आकर हमला कर दिया। महिला ने आरोप लगाया कि पैसे न देने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी और धारदार हथियार (चाकू) से गर्दन पर हमला कर दिया। हमले में अफसाना को गंभीर चोट आई। घटना के तुरंत बाद आरोपी की मां ने उसे एलबीएस अस्पताल लाया, जहां उसका उपचार शुरू किया गया। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार चोट गम्भीर है और घाव की प्रकृति की निगरानी की जा रही है। इस मामले में मयूर विहार पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता की धारा 109(1) और 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। घटना के सिलसिले में आरोपी असलम को गिरफ्तार कर लिया गया और हत्या के प्रयोजन में इस्तेमाल धारदार हथियार भी बरामद कर लिया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि घायल महिला अस्पताल में उपचाराधीन है और उसकी स्थिति स्थिर है। मामले की गहन जांच जारी है। वहीं, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में एक नाबालिग की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मृतक की मां शबाना ने आईएएनएस को बताया कि बच्चे को बुलाकर ले गए थे। आधे घंटे के भीतर ही उन्होंने उसे मार डाला। हम उन्हें जानते हैं और उन्होंने पहले भी कई हत्याएं की हैं। महिला ने आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की। मृतक के पिता ने कहा कि बच्चे की उम्र लगभग 15 साल थी। वह धार्मिक पढ़ाई कर रहा था। रात को करीब 8 बजे वह घर से बाहर निकला था। रात को लगभग 11.30 बजे हमें सूचना मिली की आपके बच्चे का मर्डर हो गया है।

होर्मुज बंद होने के बाद भी चीन ने ढूंढ लिया नया ईरान, भर-भरकर मंगवा रहा पेट्रोल-एलपीजी

बीजिंग, एजेंसी। मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) में जारी भीषण संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। तेल आपूर्ति बाधित होने के डर से दुनिया भर के देश संकट में हैं, लेकिन इस बीच चीन ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए एक वैकल्पिक और रणनीतिक रास्ता निकाल लिया है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीजिंग अब म्यांमार को केवल एक पड़ोसी देश के रूप में नहीं, बल्कि हिंद महासागर में प्रवेश करने के लिए अपने सबसे सुरक्षित बैकडोर के रूप में देख रहा है।

चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा अब बीजिंग के लिए केवल एक व्यापारिक मार्ग नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण रणनीतिक ढाल बन चुका है। चीन की अर्थव्यवस्था का आधार समुद्री व्यापार है, जिसका लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा हिंद महासागर से होकर गुजरता है। चीन द्वारा आयात किए जाने वाले कुल कच्चे तेल का 80 प्रतिशत इसी रास्ते से आता है। बीजिंग को लंबे समय से मलक्का डिलेमा का डर सता रहा है, यानी उसे अंदेशा है कि युद्ध जैसी स्थिति में अमेरिका और भारत मलक्का जलडमरूमध्य और निकोबार गैप को बंद कर सकते हैं। इस संभावित घेराबंदी से बचने के लिए चीन ने म्यांमार के क्यायुकफ्यू बंदरगाह से लेकर अपने कुनमिंग शहर तक दो विशाल पाइपलाइनें बिछाई हैं। तेल पाइपलाइन की क्षमता सालाना 2.2 करोड़ टन कच्चा तेल ले जाने की है, जबकि गैस पाइपलाइन सालाना 12 अरब क्यूबिक मीटर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करती है।

इसके जरिए खाड़ी देशों से आने वाला तेल मलक्का जाने के बजाय सीधे म्यांमार के तट से पाइपलाइन के जरिए चीन पहुंच रहा है। हिंद महासागर के इस बिसात पर चीन अपनी स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स नीति को भी लगातार धार दे रहा है। मालदीव में बुनियादी ढांचे और फ्रेंडशिप ब्रिज जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए वह अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। वहीं, चागोस द्वीप समूह को लेकर चल रही अंतरराष्ट्रीय हलचल और मॉरीशस में चीनी निवेश ने वाशिंगटन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अमेरिका को डर है कि चीन इन निवेशों के जरिए डिएगो गार्सिया स्थित अमेरिकी सैन्य बेस की जासूसी कर सकता है। जवाब में भारत ने भी ग्रेट निकोबार द्वीप पर नया एयरपोर्ट और मिलिट्री बेस बनाकर चीन की घेराबंदी तेज कर दी है । जो बंगाल की खाड़ी में एक प्राकृतिक अवरोध की तरह काम करेगा।

अगर खर्ग द्वीप पर कब्जे की कोशिश की तो दुश्मनों के अहम ठिकानों को कर देंगे तबाह

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने अमेरिका को दी खुली धमकी

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले 27 दिनों से युद्ध चल रहा है। इस युद्ध में अब संघर्ष का सबसे बड़ा केंद्र ईरान का खर्ग आइलैंड बन गया है। यह छोटा सा द्वीप ईरान के लिए आर्थिक लाइफलाइन है, जहां से देश के करीब 90फीसदी कच्चे तेल का निर्यात होता है।

ईरान को डर है कि कहीं अमेरिका उसके खर्ग द्वीप पर सैनिक न उतार दे। यही वजह है कि ईरान ने अमेरिका के लिए खर्ग पर जाल बिछा दिया है। ईरान तैयारी के साथ अमेरिकी सैनिकों के आने का इंतजार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने पिछले कुछ हफ्तों में ईरान ने इस द्वीप को पूरी तरह एक सैन्य किले में बदल दिया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ईरान ने आइलैंड के चारों ओर बारूदी सुरंगों का जाल बिछा दिया है। साथ ही ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल हमले की तैयारी भी है।

जिससे किसी भी बाहरी सैन्य कार्रवाई का जवाब तुरंत और घातक तरीके से दिया जा सके। इस बीच ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने खुली धमकी दी है। उन्होंने कहा कि 'अगर किसी ने ईरान के किसी भी द्वीप पर कब्जा करने की कोशिश की, तो हम बिना किसी रोक के जवाबी हमला करेंगे और दुश्मनों के अहम ठिकानों को निशाना बनाएंगे। हालांकि अमेरिका पहले ही 13 मार्च को इस आइलैंड पर बड़ा हमला कर चुका है, जिसमें 90 से ज्यादा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

इसमें मिसाइल स्टोरेज, नेवल माइन सुविधाएं और अन्य सैन्य ठिकाने शामिल थे, लेकिन तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार इस आइलैंड पर कब्जा करने के विकल्प पर विचार कर रही है। इसका मकसद ईरान पर दबाव बनाकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलने के लिए मजबूर करना है।

लेकिन अमेरिका के अंदर ही इस प्लान पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ईरान-अमेरिका युद्ध और भी बढ़ सकता है। रिटायर्ड एडमिरल जेम्स स्टैवरिडिस ने साफ चेतावनी दी है, 'ईरानी बेहद चालाक और निर्दयी हैं। वे समुद्र में जहाजों और जमीन पर उतरते ही अमेरिकी सैनिकों को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। उनका कहना है कि यह ऑपरेशन अमेरिका के लिए भारी नुकसान का कारण बन सकता है।

दिल्ली पुलिस ने महरौली में अपराधी को किया गिरफ्तार, हथियार बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के महरौली थाना क्षेत्र में पुलिस ने पेशेवर अपराधी को गिरफ्तार किया है। इस दौरान आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि फिलहाल जमानत पर बाहर रह रहा अपराधी अपने खिलाफ चल रहे मामलों के गवाहों को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए महरौली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया। एसीपी महरौली की निगरानी में एक विशेष टीम गठित की गई, जिसमें एसआई अमित कुमार, एएसआई रविंदर, कॉन्स्टेबल विनोद और कॉन्स्टेबल अर्जुन शामिल थे। टीम ने अंधेरिया मोड़, एमबी रोड के पास छापा मारा। पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने की कोशिश की लेकिन टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक भरी हुई देसी पिस्तौल बरामद हुई। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने छतरपुर स्थित उसके घर पर भी छापा मारा, जहां से चार और जानलेवा हथियार चाकू और छोटी तलवारें बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोशन के रूप में हुई है जो एक पेशेवर अपराधी है और पहले से कई गंभीर मामलों में शामिल रहा है। उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, झपटमारी और आर्म्स एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से व्यक्ति की मौत

पश्चिम मेदिनीपुर, एजेंसी। जिले के बेलदा थाना क्षेत्र के श्यामपुरा इलाके में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा खड़गपुर-बालेश्वर 16 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार रात हुआ। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान महेश राम के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश राज्य अन्तर्गत मधुबनी जिले के निवासी थे। वह काम के सिलसिले में लंबे समय से बेलदा (पश्चिम मेदिनीपुर) के श्यामपुरा इलाके में रह रहे थे। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, खड़गपुर की ओर से ओडिशा की दिशा में जा रही एक प्राइवेट कार तेज रफ्तार में अनियंत्रित हो गई और श्यामपुरा इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर मौजूद एक व्यक्ति को टक्कर मार दी।

अमेरिका छह अप्रैल तक नहीं करेगा ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से छिड़े युद्ध पर अब राष्ट्रपति डोनाल्ड के स्वर कुछ धीमे पड़े हैं। उन्होंने अहम घोषणा की है कि अमेरिका 06 अप्रैल तक ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला नहीं करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमले पर लगी रोक को एक हफ्ते से ज्यादा समय के लिए बढ़ा रहे हैं। सीबीएस न्यूज और अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट्स में कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर घोषणा की कि अमेरिका ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमलों पर लगी रोक को 06 अप्रैल तक बढ़ाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि वह ईरानी सरकार के अनुरोध पर इस रोक को बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति ने इससे पहले सोमवार को ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले पर पांच दिन की रोक की घोषणा की थी। यह शनिवार को खत्म होने वाली है। उन्होंने लिखा, 'ईरानी सरकार के अनुरोध के अनुसार, कृपया इस बयान को इस बात का प्रमाण मानें कि मैं ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट करने की अवधि को 10 दिनों के लिए बढ़ाकर सोमवार, 06 अप्रैल, 2026 को रात 8 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक कर रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'बातचीत जारी है और 'फेक न्यूज मीडिया' तथा अन्य लोगों के विपरीत दिए गए गलत बयानों के बावजूद, बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद! 'उन्होंने कहाः ' ईरान ने सात दिन मांगे थे। मैंने कहा, 'मैं 10 दिन दे रहा हूं, क्योंकि आपने मुझे जहाज दिए।' उनका इशारा उन कई तेल टैंकरों की ओर था,।

ईरान पर हमलों को ऑस्ट्रेलिया में कम समर्थन, सेना भेजने का विरोध

सिडनी, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजरायल के हमलों की वजह से तनाव की स्थिति बरकरार है। एक सर्वे से पता चला है कि ऑस्ट्रेलिया की केवल 26 फीसदी जनता ही ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल के हमलों को सही मानती है। वहीं 50 फीसदी आबादी ऑस्ट्रेलियाई सैनिकों की तैनाती को ठीक नहीं मानती। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, स्वतंत्र फर्म 'एसेंशियल रिसर्च' के एक मासिक पोल, 'द एसेंशियल रिपोर्ट' के ताजा अपडेट में बताया गया है कि 10 फीसदी लोग ईरान पर हमले शुरू करने के अमेरिका-इजरायल के फैसले को पूरी तरह से जायज हमला मानते हैं और 16 फीसदी लोग इसे ठीक-ठाक कार्रवाई करार दे रहे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई आबादी का 27 फीसदी हिस्सा इस संघर्ष के सख्त खिलाफ है। 15 फीसदी लोगों ने कहा कि वे इसे नामंजूर करते हैं, जबकि बाकी लोग या तो निष्पक्ष रहने में यकीन रखते हैं या इस फैसले को लेकर असमंजस में हैं। संघर्ष में ऑस्ट्रेलिया के शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर, पोल में शामिल 50 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे ईरान में अमेरिका-इजरायल के जमीनी अभियान के समर्थन में सेना भेजने का विरोध करेंगे, जबकि 21 प्रतिशत ने कहा कि वे ऐसे कदम के पक्ष में हैं। दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से आने वाले यात्रियों पर बैन लगाने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि मिडिल ईस्ट में युद्ध की वजह से यह खतरा बढ़ गया है कि शॉर्ट-टर्म वीजा खत्म होने के बाद वे घर जाने से मना कर देंगे। गृह विभाग का कहना है कि अगले छह महीनों तक ईरानी पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले लोगों को पर्यटन या काम के लिए ऑस्ट्रेलिया आने से रोक दिया जाएगा। एक बयान में कहा गया है, 'ईरान में लड़ाई की वजह से यह खतरा बढ़ गया है कि कुछ अस्थायी वीजा होल्डर्स अपने वीजा खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया से बाहर नहीं जा पाएंगे या शायद ही जा पाएं। ' विभाग ने आगे कहा कि वीजा मामले में थोड़ी सी राहत कुछ खास मामलों में दी जाएंगी, जैसे कि ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के माता-पिता के लिए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 85,000 से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ईरान में पैदा हुए थे और सिडनी और मेलबर्न जैसे बड़े शहरों में रहने वाले ईरानी समुदाय के पाए जाते हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने इस महीने मेहमान महिला फुटबॉल टीम की सात खिलाड़ियों और अधिकारियों को अपने देश में शरण दी। ऑस्ट्रेलिया के इस कदम से ईरान में भारी नाराजगी है। दरअसल, एशियन कप मैच के दौरान खेल शुरू होने से पहले खिलाड़ियों ने ईरान का राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया। इस कदम के बाद ईरान में इन खिलाड़ियों को देशद्रोही करार दिया गया। खिलाड़ियों की इस हरकत को इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ बगावत के तौर पर देखा गया। उन सात में से पांच ने बाद में ऑस्ट्रेलिया में पनाह लेने का अपना फैसला बदल दिया।

आपदा प्रबंधन हेतु 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

भूकंप, बाढ़ सहित विभिन्न आपदाओं से बचाव के दिए गए व्यावहारिक प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल के सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत पीएम संजय गांधी शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में 5 दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अपर कलेक्टर बी.पी. पांडेय एवं एसडीएम राकेश शुक्ला के मार्गदर्शन तथा नोडल अधिकारी एल.बी. कोल के निर्देशन में किया गया प्रशिक्षण प्लाटून कमांडर मयंक तिवारी द्वारा प्रदान किया गया प्रशिक्षण के दौरान भूकंप, बाढ़, आकाशीय बिजली, सर्पदंश, आगजनी, लू एवं सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई इसके साथ ही आपदा के दौरान एवं उसके बाद बरती जाने वाली सावधानियों पर भी चर्चा की गई विभिन्न उपकरणों का डेमोंस्ट्रेशन कर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. डॉ. के.एस. नेताम, प्रो. आई.पी. प्रजापति, एनसीसी प्रभारी प्रो. उमाकांत, डॉ. दिलीप सोनी, डॉ. गंगा देवी वैरागी, होमगार्ड, एसडीईआरएफ, कलेक्ट्रेट और विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में एनसीसी, एनएसएस, एनजीओ, एसडीईआरएफ, जिला होमगार्ड और महाविद्यालय के 250 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की गई साथ ही भोजन एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम के समापन पर गीतांजलि जन कल्याण समिति के रविशंकर मिश्र द्वारा नशा के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई इसके पश्चात डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट एल.बी. कोल एवं एसआई मयंक तिवारी द्वारा सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी से प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

एनसीएल ने 139 मिलियन टन कोयला उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 139.05 मिलियन टन कोयला उत्पादन कर एक नया वार्षिक रिकॉर्ड बनाया है यह उपलब्धि वैश्विक ऊर्जा संकट और युद्धजनित चुनौतियों के बीच हासिल की गई है। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में काम करते हुए कंपनी ने पहली पाली तक यह सर्वाधिक उत्पादन दर्ज किया। एनसीएल अब अपने 140 मिलियन टन के वार्षिक उत्पादन लक्ष्य के बेहद करीब पहुंच गई है जिसे जल्द ही हासिल करने की उम्मीद है यह प्रदर्शन ऐसे समय में सामने आया है जब वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बना हुआ है इस परिस्थिति में एनसीएल की यह उपलब्धि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कंपनी प्रबंधन ने इस सफलता का श्रेय अपने कर्मचारियों को दिया है जिनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता से यह उपलब्धि संभव हो सकी एनसीएल के जनसंपर्क अधिकारी रामविजय सिंह ने बताया कि यह उपलब्धि कंपनी की संचालन दक्षता और बेहतर संसाधन प्रबंधन का परिणाम है उन्होंने कहा कि 'टीम एनसीएल' 'कोयला है तो भरोसा है' के संकल्प के साथ काम कर रही है जो इस उपलब्धि में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है यह प्रदर्शन न केवल कंपनी के लिए बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है।

1 से 4 अप्रैल तक चलेगा 'स्कूल चलें हम' अभियान, 1 अप्रैल को प्रवेशोत्सव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ के अवसर पर जिले में 01 से 04 अप्रैल तक 'स्कूल चलें हम' अभियान संचालित किया जाएगा इस अभियान के तहत 01 अप्रैल को सभी विद्यालयों एवं जिला स्तर पर प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक एवं साइकिल का वितरण किया जाएगा इसके अलावा, उत्कृष्ट विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का सम्मान किया जाएगा और शाला से बाहर रहे बच्चों का नामांकन भी सुनिश्चित किया जाएगा 02 अप्रैल को पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे उनका विद्यालय से जुड़ाव बढ़ेगा इस दौरान शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी और अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के पुन: प्रवेश के प्रयास किए जाएंगे 04 अप्रैल को 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध एवं प्रेरक व्यक्तियों द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जाएगा।

बस हादसे में रीवा पीटिएस के जवान बने देवदूत, दुर्घटना के बीच दिखाई बहादुरी, कई घायलों की बचाई जान

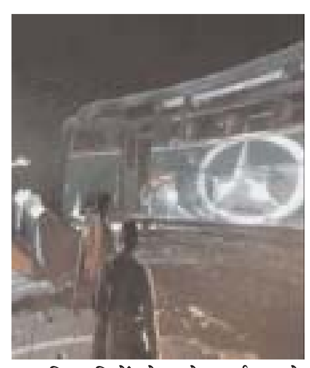

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बीते दिन हुए भीषण बस हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। पांडुना से लौट रही यात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के दौरान एक महत्वपूर्ण संयोग सामने आया, जब रीवा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर (पीटिएस) के जवान ड्यूटी पूरी कर वापस लौट रहे थे। शाम करीब 7 बजे जैसे ही वे घटनास्थल के पास पहुंचे उन्होंने बिना समय गंवाए राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया।

जान की परवाह किए बिना बचाए कई लोग : बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी और कई यात्री अंदर फंसे हुए थे ऐसे कठिन हालात में रीवा पीटिएस के नव आरक्षकों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए बस के भीतर घुसकर एक-एक कर घायलों को बाहर निकाला गंभीर रूप से घायल यात्रियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया जिससे कई जिंदगियां बचाई जा सकीं। राहत कार्य के दौरान जवानों ने 9 से 10 मृतकों के शवों को भी पूरे सम्मान के साथ बाहर निकालकर व्यवस्थित किया। इस संवेदनशील कार्य को भी उन्होंने पूरी जिम्मेदारी और मानवता के साथ निभाया घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने जवानों की तत्परता और साहस की सराहना की लोगों का कहना था कि यदि समय पर रीवा पीटिएस की टीम मौके पर नहीं पहुंचती तो स्थिति और भी भयावह हो सकती थी कुछ ही समय में जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर ने घटनास्थल का निरीक्षण कर रीवा पीटिएस के जवानों के कार्य की प्रशंसा की। अधिकारियों ने इसे कर्तव्य से बढ़कर मानवता का उदाहरण बताया। यह घटना एक बार फिर दर्शाती है कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है बल्कि संकट की घड़ी में समाज के लिए मजबूत सहारा बनकर खड़ी रहती है। रीवा पीटिएस के जवानों की बहादुरी और सेवा भावना ने न केवल कई जिंदगियां बचाई बल्कि पुलिस की सकारात्मक छवि को भी मजबूत किया।

चलती पिकअप से धक्का देकर की थी युवक की हत्या,उधार लेनदेन में विवाद

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जयंत क्षेत्र में युवक की हत्या का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है उधारी के पैसों के विवाद में चलती पिकअप से धक्का देकर हत्या की गई थी। घटना 25 मार्च की है। पुलिस को एफआरव्ही 112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि सरसवाहलाल क्षेत्र में सड़क किनारे एक युवक का शव पड़ा है मौके पर पहुंची पुलिस को पीसीसी सड़क के पास युवक का क्षत-विक्षत शव मिला। मौके पर मौजूद लोगों ने मृतक की पहचान आशीष कुमार कुशवाहा (25), निवासी सरसवाहलाल जयंत के रूप में की। घटना की गंभीरता को देखते हुए विंध्यनगर थाना प्रभारी निरीक्षक अर्चना द्विवेदी और जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहार ने तत्काल एफएसएल टीम और डॉग स्क्वाड को बुलाकर जांच शुरू कराई शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बैढ़न भेजा गया। जांच के दौरान पुलिस ने मृतक की कॉल डिटेल खंगाली और संबंधित लोगों से पूछताछ की। सामने आया कि घटना वाले दिन मृतक की स्कूटी से पेट्रोल की बोतल चोरी हो गई थी। इसी की तलाश में वह संदिग्धों के घर पहुंचा था, जहां उधारी के पैसों को लेकर नूर हसन उर्फ मनिया से उसका विवाद हो गया। 2000 को लेकर मृतक और नूर हसन उर्फ मनिया के बीच विवाद हुआ था। जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहार के अनुसार, घटना की रात करीब 11 बजे आरोपी नूर हसन पिकअप वाहन से वहां से गुजर रहा था, तभी मृतक ने उसे रोककर अपने पैसे मांगे। आरोपी ने पैसे न होने की बात कही, लेकिन मृतक गाड़ी के बाएं दरवाजे पर लटककर पैसे देने की जिद करने लगा। इसी दौरान आरोपी ने तेज रफ्तार (करीब 100 किमी/घंटा) से वाहन दौड़ा दिया।

थाने में बुजुर्गों ने चलाया नशा मुक्ति अभियान; 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के लोगों ने किया प्रेरित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली थाना परिसर में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल में 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मझौली थाना प्रभारी विशाल शर्मा मौजूद रहे वृद्धा आश्रम ताला के सदस्य भी बड़ी संख्या में शामिल हुए यह अभियान दो चरणों में आयोजित किया गया, वृद्धा आश्रम ताला में इसकी शुरुआत हुई और शुक्रवार को मझौली थाने में इसका विस्तार किया गया। बुजुर्गों ने थाना परिसर और आसपास के इलाकों में जाकर लोगों से सीधा संवाद किया उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि नशा सिर्फ व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी बर्बाद कर देता है उनके संदेश ने लोगों को गहराई से प्रभावित किया वृद्धाश्रम के अध्यक्ष शिवामणि तिवारी ने जानकारी दी कि यह अभियान यहीं समाप्त नहीं होगा आने वाले दिनों में तहसील, थाना, एसडीएम कार्यालय, चौराहों और अस्पतालों में भी इसी तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि नशा मुक्ति का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सके थाना प्रभारी विशाल शर्मा ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम समाज को नई दिशा देने वाला है। पुलिस प्रशासन ऐसे प्रयासों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है और नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए हर संभव सहयोग करेगा।

जिला चिकित्सालय में व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विकास मिश्रा ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त और सुव्यवस्थित रखी जाएं कलेक्टर ने चेतावनी दी कि यदि व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ, तो लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी कलेक्टर ने कहा, 'जिला चिकित्सालय वह स्थान है जहां मरीज स्वस्थ होने की उम्मीद लेकर आता है, इसलिए अस्पताल परिसर को पूरी तरह स्वच्छ, सुरक्षित और संक्रमण मुक्त होना चाहिए।' उन्होंने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी अस्पताल प्रबंधन के साथ-साथ मरीजों के परिजनों की भी हैनिरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं और चिकित्सकों की उपस्थिति नियत समय के अनुसार सुनिश्चित की जाए। आयुष्मान कार्डधारी हितग्राहियों को नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराने और पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के भी निर्देश दिए गए इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने, मुख्यमंत्री जननी सुरक्षा योजना और मुख्यमंत्री श्रमिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत भुगतान समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने टीबी मरीजों को नियमित दवाइयां उपलब्ध कराने, बेड एवं बेडशीट की पर्याप्त व्यवस्था, खून जांच और एक्स-रे सेवाओं की स्थिति की भी समीक्षा की उन्होंने विद्युत तारों को सुव्यवस्थित करने, चिकित्सकों के कक्ष के बाहर नाम पट्टिका लगाने, सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी समयानुसार लगाने और आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

टंसार में 28 मार्च को वृहद विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जानकारी देते हुए बताया कि म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में 28 मार्च 2026 (शनिवार) को प्रात: 10:30 बजे वृहद विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर पीएम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टंसार, विकासखण्ड कुसमी, जिला सीधी के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा शिविर का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समुदाय को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को कानूनी सेवाएं प्रदान करना है।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'सिंधु यूथ विंग' द्वारा 'सिंधियत जो मेलो' का भव्य आयोजन

धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजीव होगी सिंधी संस्कृति की धारा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में 29 एवं 30 मार्च को दो दिवसीय 'सिंधियत जो मेलो' का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शिक्षाप्रद और समाज को सकारात्मक दिशा देने वाले कार्यक्रम होंगे इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मातृशक्ति की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और सांस्कृतिक चेतना की अलख जगाना है। इस कार्यक्रम में देश-विदेश में ख्याति प्राप्त मुंबई, राजस्थान, इंदौर के कई बड़े कलाकारों का समागम होगा कार्यक्रम के पहले चरण में शाम 5:00 बजे से राज कपूर ऑडिटोरियम में धमाकेदार म्यूजिकल इवेंट, रंगमंचीय नाट्य और हास्य कार्यक्रम आयोजित होंगे इनमें (1) नृत्य, संगीत और कॉमेडी द्वारा सिंधी अमिताभ बच्चन जी, मुंबई, (2) सिंधी कॉमेडी नाटक, 'खट्टो मिठो होजमालो ग्रुप', मुंबई द्वारा, और (3) रंगमंचीय दो शिक्षावादी सामाजिक नाटक, 'रंग सिंधु संस्था', इंदौर द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे सभी कार्यक्रमों का प्रवेश निशुल्क रहेगा, और बैठक व्यवस्था 'पहले आए पहले बैठे' के आधार पर होगी दूसरे चरण में रात 8 बजे से मेला प्रांगण ग्राउंड में 'सिंधियत जी गूंज' के नाम से लाइव म्यूजिकल प्रोग्राम का आयोजन होगा, जिसमें 11 सदस्यीय टीम कल्याण म्यूजिकल, राजस्थान द्वारा संगीत प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा, मेला प्रांगण में फूड फेस्टिवल, बिजनेस स्टॉल, इष्ट देव भगवान श्री झूलेलाल की सजीव झांकियां, दरिया शाह के दर्शन सहित अन्य आकर्षण भी होंगे इन सभी कार्यक्रमों का भी प्रवेश निशुल्क रहेगा। सिंधी बोली, संस्कृति, रीति-रिवाज और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम समाज के लिए एक सार्थक प्रयास है। समाज से निवेदन है कि वे परिवार सहित इस कार्यक्रम में भाग लेकर संस्था का मनोबल बढ़ाएं और कार्यक्रम को सफल बनाएं।

कक्षा 5वीं एवं 8वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र सीधी द्वारा जानकारी दी गई कि वार्षिक परीक्षा 2026 के अंतर्गत कक्षा 5वीं और 8वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं इस वर्ष जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न केवल उच्च अंक अर्जित किए बल्कि विभिन्न स्तरों पर प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। कक्षा 5वीं में जिले में कु. अंशिका तिवारी (महर्षि पतंजलि मा.शा. झलवार, विकासखण्ड रामपुरनैकिन) ने 96 प्रतिशत (384/400) अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा 8वीं में कु. आराध्या मिश्रा (अशासकीय सर्वोदय हाई स्कूल, सीधी) ने 96.06 प्रतिशत (580/600) अंक अर्जित कर जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। विकासखण्ड स्तर पर भी विद्यार्थियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। कुसमी विकासखण्ड में कक्षा 5वीं में कु. जया केवट (गुरूकुल पब्लिक स्कूल, भदौरा) ने 89 प्रतिशत एवं कक्षा 8वीं में उज्जवल चौरसिया ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। मझौली विकासखण्ड में कक्षा 5वीं में मानसी तिवारी (संस्कार पब्लिक हाई स्कूल, पथरौला) ने 92 प्रतिशत तथा कक्षा 8वीं में स्विंकित विश्वकर्मा (स्वामी विवेकानंद एकेडमी, मझौली) ने 94.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान अर्जित किया। इसके अलावा, रामपुरनैकिन विकासखण्ड में कक्षा 8वीं में सपना तिवारी ने 95.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। सीधी विकासखण्ड में कक्षा 5वीं में अंशिका केवट (ज्योति हा.से. स्कूल) ने 94.05 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सिहावल विकासखण्ड में कक्षा 5वीं में प्रांजलि पटेल (काशी हा.से. अमिलिया) ने 93 प्रतिशत तथा कक्षा 8वीं में देवांशधर द्विवेदी एवं सोनांचल गुप्ता ने 94.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 5वीं में वैष्णवी विश्वकर्मा (प्रा. शाला विसुनीटोला, सीधी) ने 90.08 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 8वीं में प्राची गौतम (हा.से. स्कूल रैदुअरिया, रामपुरनैकिन) एवं उषा सिंह (हाई स्कूल खैरा) ने 93.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

देश में पेट्रोल–डीजल की कोई कमी नहीं, भारत पर ईरान का रुख भी साफ, बस अफवाहों से बचें

संपादकीय

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच भारत सरकार ने जनता भरोसा दिलाया है कि देश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है। भारत के पास पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। अगर सभी लोग अफवाहों से दूर रहें, जरूरत भर ही खरीदारी करें तो किसी भी कृत्रिम संकट को टाला जा सकता है।सरकार ने जनता को फिर भरोसा दिलाया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और [illegible] की कोई कमी नहीं है। भारत के पास पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। मौजूदा हालात में लोगों के बीच पनप रहे डर और आशंकाओं को देखते हुए इस तरह के भरोसे की जरूरत है।सप्लाई रुकी नहीं। गुरुवार को देश के कई शहरों से तस्वीरें आई, जहां पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें दिखीं। इस पैनिक की वजह अफवाहें और कुछ हद तक कालाबाजारी भी है। ईरान युद्ध ने बेशक ग्लोबल ऑयल सप्लाई पर असर डाला है, लेकिन यह पूरी तरह से रुकी नहीं है। फिर भारत के पास अपना रिजर्व भी है, जो सरकार के मुताबिक 60 दिनों के लिए पर्याप्त है। साथ ही अगले दो महीने के क्रूड की खरीद पहले ही सुनिश्चित हो चुकी है और [illegible] का घरेलू उत्पादन भी 40% बढ़ चुका है।ईरान का रुख । भारत अपने तेल आयात में लगातार विविधता ला रहा है और इस समय भी 41 से ज्यादा देशों से खरीद हो रही है। इसका मतलब है कि देश पूरी तरह से पश्चिम एशिया पर निर्भर नहीं है। फिर, भारत के कुछ वेसल को ईरान ने होर्मुज से निकलने भी दिया है। तेहरान का यह कहना भी सकारात्मक संदेश है कि भारत जैसे मित्र देशों के जहाज होर्मुज से निकल सकते हैं।भरोसा बनाए रखें । जंग में कई तरह की खबरें आती हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि सभी सही हों। कुछ का मकसद होता है अफरातफरी पैदा करना। मुनाफाखोर इसी की ताक में रहते हैं। अभी जो माहौल बन रहा है, वह भी अफवाहों और आधी-अधूरी खबरों की देन है। सरकार ने लोगों से संकट के लिए तैयार रहने को जरूर कहा है, पर इसका यह मतलब नहीं है कि देश गंभीर ऊर्जा संकट से घिर चुका है। घबराने की बजाय जरूरत है कि भरोसेमंद माध्यमों से मिलने वाली खबरों पर ही यकीन किया जाए और मुनाफाखोरों-कालाबाजारी करने वालों को कोई मौका न दिया जाए।असली परीक्षा। अमेरिका-इस्राइल और ईरान युद्ध ने पूरी दुनिया के ही सामने चुनौती पेश की है। आज की दुनिया पहले से कहीं ज्यादा कनेक्टेड है। इसलिए इस युद्ध से भारत भी अछूता नहीं रह सकता। इस सच को स्वीकार करने के साथ यह भी समझने की जरूरत है कि कालाबाजारी करने वाले ऐसे मौकों का फायदा उठाते हैं। इस पर सरकार को भी नजर रखनी चाहिए। अगर सभी लोग अफवाहों से दूर रहें, जरूरत भर ही खरीदारी करें और सरकार के साथ सहयोग करें तो किसी भी कृत्रिम संकट को टाला जा सकता है।

मध्य पूर्व में युद्ध और भारत की ऊर्जा सुरक्षा

देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

पश्चिम एशिया में अमेरिका, इज़राइल और ईरान से जुड़े चल रहे संघर्ष के वैश्विक प्रभाव हैं। भारत में इसका असर पहले से ही दिखाई देने लगा है, जहाँ खाना पकाने वाली गैस की घबराहट में खरीदारी और कालाबाज़ारी की घटनाएँ सामने आई हैं, जबकि सरकार ने आश्वासन दिया है कि पर्याप्त भंडार होने के कारण फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है।

हालाँकि, इससे जो बड़ा मुद्दा उभरकर सामने आता है, वह है भारत की ऊर्जा सुरक्षा। इस संघर्ष ने नागरिकों को देश की ऊर्जा आवश्यकताओं, आपूर्ति की कमजोरियों और बाहरी स्रोतों पर निर्भरता के प्रति अधिक जागरूक किया है।

वर्षों से भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने और वैकल्पिक ऊर्जा में निवेश करने के प्रयास कर रहा है। इनमें सौर, पवन, ज्वारीय, परमाणु और जलविद्युत ऊर्जा शामिल हैं, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्र में। ये पहल जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने की दीर्घकालिक रणनीति को दर्शाती हैं।

हम अपनी अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर शीघ्र संक्रमण की आवश्यकता के प्रति लगातार जागरूक हो रहे हैं। इस संकट ने कुछ महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को भी उजागर किया है, जैसे होर्मुज़ जलडमरूमध्य का रणनीतिक महत्व, जहाँ से विश्व के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल की आपूर्ति और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस का परिवहन होता है। इस महत्वपूर्ण मार्ग में किसी भी प्रकार का व्यवधान वैश्विक ऊर्जा संकट को जन्म दे सकता है, जिसका विशेष प्रभाव विकासशील देशों पर पड़ेगा।

भारत में ऊर्जा सुरक्षा को अक्सर पेट्रोलियम, तेल और स्नेहक में आत्मनिर्भरता की कमी के संदर्भ में समझा जाता है। भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकताओं का लगभग 82% आयात करता है, जिससे वह विश्व के सबसे बड़े आयातकों में से एक बन जाता है। इस खपत का बड़ा हिस्सा परिवहन क्षेत्र से आता है–दो-पहिया और यात्री वाहनों के लिए पेट्रोल, ट्रकों और बसों के लिए डीज़ल, विमानन ईंधन, तथा कृषि में उपयोग।

इस निर्भरता को कम करने के लिए भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की पहल की है, जिसमें दो-पहिया वाहन, कारें, बसें और औद्योगिक उपकरण शामिल हैं। इस परिवर्तन का उद्देश्य [illegible] की खपत और आयात निर्भरता को कम करना है।

भारत का ऊर्जा परिदृश्य एक रणनीतिक परिवर्तन से गुजर रहा है। 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता 217 गीगावाट से अधिक हो चुकी है, और वर्तमान में कुल स्थापित क्षमता का लगभग 49% हिस्सा गैर-जीवाश्म स्रोतों, जिसमें नवीकरणीय और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, से आता है। राष्ट्रीय बायो-ऊर्जा मिशन, राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और रूफटॉप सोलर कार्यक्रम जैसी सरकारी पहलें इस परिवर्तन के केंद्र में हैं। इसके अतिरिक्त, भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं का विस्तार कर रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध ने यह दिखाया कि आधुनिक युद्ध शायद ही कभी एकतरफा होते हैं। यूक्रेन को अमेरिका और नाटो देशों का व्यापक समर्थन मिला, जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों में 'शक्ति संतुलन' की अवधारणा को दर्शाता है। हालांकि, जैसा कि हेनरी किसिंजर ने कहा था, 'अमेरिका के न तो स्थायी मित्र होते हैं और न ही शत्रु, केवल हित होते हैं।' यूरोपीय देशों ने यूक्रेन का समर्थन करते हुए भी रूसी तेल और गैस पर अपनी निर्भरता को ध्यान में रखा, जो भू-राजनीति और ऊर्जा सुरक्षा के जटिल संबंध को दर्शाता है।

वर्तमान मध्य पूर्व संकट से पहले ही भारत ने रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली थी, अक्सर रुपये-आधारित व्यापार जैसे अनुकूल प्रबंधों के माध्यम से, जो उसके आर्थिक और ऊर्जा हितों के अनुरूप था। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान कुछ देशों द्वारा आलोचना के बावजूद, भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी।

जेलों में मौतें, आत्महत्याएं, अव्यवस्थाएं -सलाखों के पीछे भी असुरक्षित जीवन?

सुप्रीम कोर्ट का नोटिस,राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का स्वत: संज्ञान– जेल व्यवस्था, मानवाधिकार और न्याय प्रणाली पर वैश्विक प्रश्नचिन्ह ज़ेलों में विचाराधीन कैदी–न्याय से पहले सजा?क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं? सजा का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास होना चाहिए ।सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?यह प्रश्न हमें आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करता है वैश्विक स्तरपर आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में जेल का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि उसे सुधारना और पुनर्वास के लिए तैयार करना भी होता है। परंतु जब जेलें स्वयं ही भय,बीमारी और उपेक्षा का केंद्र बन जाएं,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं? सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?, यह केवल एक भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि कठोर वास्तविकता का दर्पण है।अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार,कैदियों से उनका स्वतंत्रता का अधिकार तो छीना जा सकता है,लेकिन उनका जीवन, स्वास्थ्य और गरिमा का अधिकार नहीं।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इसके बावजूद भारत सहित दुनियाँ के कई देशों में जेलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित नेल्सन मंडेला नियम (यू एन स्टैंडर्ड मिनिमम् रूल्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ़ प्रिजनर्स) स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए।उन्हें पर्याप्त भोजन,स्वच्छ पानी,स्वास्थ्य सुविधाएं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता मिलनी चाहिए। लेकिन व्यवहारिक धरातल पर इन सिद्धांतों और वास्तविकता के बीच गहरी खाई दिखाई देती है। जेलें, जो सुधार गृह मानी जाती हैं,अक्सर प्रताड़ना, हिंसा और उपेक्षा के केंद्र बन जाती हैं। यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित देशों में भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं।

साथियों बात अगर हम भारत में जेलों की भीड़:एक गंभीर संरचनात्मक संकट को समझने की करें तो,भारत की जेल व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या है,क्षमता से अधिक भीड़। कई राज्यों में जेलों की ऑक्यूपेंसी दर 150 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली की जेलों में 200 प्रतिशत तक कैदी भरे हुए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 150 प्रतिशत से अधिक है। इस भीड़ का सबसे बड़ा कारण है विचाराधीन कैदियों की अत्यधिक संख्या। आंकड़ों के अनुसार, भारत के लगभग 73.5 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं जिनका अभी दोष सिद्ध नहीं हुआ है और वे केवल ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं। यह स्थिति न्यायिक प्रणाली की धीमी गति और मामलों के लंबित रहने का सीधा परिणाम है।

साथियों बात अगर हम विचाराधीन कैदी: न्याय से पहले सजा? इसको समझने की करें तो,विचाराधीन कैदी वह होते हैं जिन्हें अभी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है, फिर भी वे वर्षों तक जेल में बंद रहते हैं। यह स्थिति निर्दोषता की धारणा (प्रेसम्प्शन ऑफ़ इनोसेंस) के सिद्धांत के विपरीत है। न्यायिक देरी के कारण कई कैदी अपने संभावित सजा से अधिक समय जेल में बिता देते हैं। यह न केवल उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करता है।जेलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के लगभग 30-40 प्रतिशत पद खाली हैं।दिल्ली जैसी जगहों पर प्रति 200 कैदियों पर केवल एक डॉक्टर उपलब्ध है।इसका परिणाम यह होता है कि गंभीर बीमारियों का समय पर इलाज नहीं हो पाता। अस्वच्छता और भीड़भाड़ के कारण टीबी, एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलती हैं। वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में भारत में न्यायिक हिरासत में 1,558 मौतें दर्ज की गई,यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि एक गंभीर मानवीय संकट का संकेत है।इन मौतों के पीछे मुख्य कारण हैं,बीमारियां, आत्महत्याएं और चिकित्सा सुविधाओं की बहुत हद तक कमी।

साथियों बात अगर हम छत्तीसगढ़ का मामला: एक राज्य, कई सवाल इसको समझने की करें तो छत्तीसगढ़ की जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत का मामला पूरे देश को झकझोर देने वाला है। इनमें से 90 मौतें केवल 2022 में हुई और 66 मौतें जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच दर्ज की गई। राज्य सरकार ने इन मौतों के पीछे आत्महत्या और गंभीर बीमारियों को कारण बताया है।इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने जेलों में भीड़भाड़, डॉक्टरों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही को संभावित कारण बताया है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

साथियों बात अगर हम न्यायपालिका की सक्रियता: सुधार की दिशा में कदम को समझने की करें तो हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जेलों की स्थिति पर ताजा आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश 26 मई 2026 तक सबमिट करने को दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने जेलों कीक्षमता भीड़भाड़ और महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत विवरण मांगा है।यह कदम दर्शाता है कि न्यायपालिका इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। विशेष रूप से महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों की स्थिति पर ध्यान देना एक सकारात्मक पहल है, क्योंकि यह वर्ग अक्सर नीति निर्माण में उपेक्षित रह जाता है।साथियों बात अगर हम मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्याएं: अदृश्य संकट इसको समझने की करें तो जेलों में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ा लेकिन अनदेखा मुद्दा है। भीड़भाड़, पारिवारिक दूरी, सामाजिक कलंक और अनिश्चित भविष्य कैदियों को मानसिक रूप से कमजोर बना देता है। यही कारण है कि जेलों में आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।ग्लोबल प्रिजन ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में जेलों के भीतर आत्महत्या और हिंसा के मामलों में वृद्धि हुई है। यह केवल एक देश की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर जेल सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है।

साथियों बात अगर हम संचार और मानवीय संपर्क: एक नई पहल इसको समझने की करें तो, कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए संचार के साधनों को बढ़ाना आवश्यक है। इसी दिशा में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा एक प्रस्ताव लाया गया है, जिसमें कैदियों को अपने परिवारजनों से मुफ्त वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से संवाद करने की अनुमति देने की बात कही गई है।यह पहल कैदियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने और उनके सामाजिक संबंधों को बनाए रखने में मदद कर सकती है। आधुनिक तकनीक का उपयोग जेल सुधार के लिए एक प्रभावी माध्यम बन सकता है।

साथियों बात अगर हम सुधार की दिशा में आवश्यक कदम को समझने की करें तो जेल सुधार के लिए बहु आयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, न्यायिक प्रक्रिया को तेज करना होगा ताकि विचाराधीन कैदियों की संख्या कम हो सके। इसके लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट, डिजिटल सुनवाई और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देना होगा।दूसरा, जेलों की क्षमता बढ़ाने और नए सुधार गृहों का निर्माण करना आवश्यक है। तीसरा, स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना होगा,डॉक्टरों की भर्ती, नियमित स्वास्थ्य जांच और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना होगा।चौथा कैदियों के लिए कौशल विकास और शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने होंगे ताकि वे समाज में पुनः स्थापित हो सकें।पांचवां, जेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, जिसमें स्वतंत्र निगरानी तंत्र की स्थापना महत्वपूर्ण होगी।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य: एक साझा चुनौती को समझने की करें तो जेलों की बदहाल स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका,ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और फिलीपींस जैसे देशों में भी जेलों में भीड़भाड़, हिंसा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं मौजूद हैं।हालांकि, कुछ देशों ने सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए, नॉर्वे की जेल व्यवस्था को दुनिया में सबसे मानवीय माना जाता है, जहां कैदियों को पुनर्वास और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह मॉडल अन्य देशों के लिए प्रेरणा बन सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि न्याय का असली अर्थ,जेलें किसी भी सभ्य समाज का दर्पण होती हैं। यदि जेलों में मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, तो यह पूरे समाज की विफलता का संकेत है। सजा का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास होना चाहिए। 'सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं? यह प्रश्न हमें आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करता है। क्या हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां न्याय केवल कागजों तक सीमित है, या हम वास्तव में एक मानवीय और न्यायपूर्ण व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं?समय आ गया है कि जेल सुधार को प्राथमिकता दी जाए,क्योंकि न्याय केवल अदालतों में नहीं, बल्कि जेलों की दीवारों केभीतर भी सुनिश्चित होना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन: भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

ललित गर्ग

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरुआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया जिला-पंचायत भवन का भूमिपूजन

कहा- जनकल्याण के कार्यों का प्रमुख केंद्र, 3 करोड़ की लागत से बनेगा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चैनपुर में 3 करोड़ 1 लाख 32 हजार रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक जिला पंचायत भवन का भूमिपूजन किया गया इस कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए स्वास्थ्य मंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से भूमिपूजन किया उन्होंने चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिला पंचायत भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी जिसे अब पूरा किया जा रहा है श्याम बिहारी जायसवाल ने जोर दिया कि यह भवन प्रशासनिक कार्यों को पारदर्शी और प्रभावी बनाएगा साथ ही जनकल्याण के कार्यों का प्रमुख केंद्र बनेगा उन्होंने छत्तीसगढ़ के गठन के समय अटल बिहारी वाजपेयी के समृद्ध राज्य के सपने को भी याद किया स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जिला प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है और यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं उन्होंने केवई नदी से सिंचाई सुविधा बढ़ाकर किसानों की आय में वृद्धि करने की बात कही श्याम बिहारी जायसवाल ने कलेक्ट्रेट भवन और जिला पंचायत मुख्यालय के निर्माण, केल्हारी से कठौतिया तक सड़क चौड़ीकरण और रोजगार योजनाओं के विस्तार पर भी बल दिया।

उन्होंने 'वीबी रामजी' योजना के तहत 125 दिनों का रोजगार और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का जिक्र किया। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए जाने और कच्चे मकानों को पक्का करने के लक्ष्य की भी जानकारी दी इसके अलावा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कई घोषणाएं की गईं। वहीं, एसडीएम लिंगराज सिदार ने कहा कि यह भवन प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करेगा उन्होंने बताया कि यह विकास कार्यों को गति देगा और जिले के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

मूंग सिंचाई के लिए तवाडैम से नहर में छोड़ा पानी :771 एमसीएम पानी उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। हरदा जिले के किसानों के लिए ग्रीष्मकालीन मूंग फसल की सिंचाई के उद्देश्य से तवा डैम से आज (शुक्रवार) नहर में पानी छोड़ना शुरू कर दिया गया सुबह 9 बजे तवा नहर के एसडीओ एनएस सूर्यवंशी और किसान संघ के पदाधिकारी डैम पर पहुंचकर पूजन पाठ किया इसके बाद डैम के बायीं तट से गेट खोलकर मुख्य नहर में पानी छोड़ा गया जल संसाधन विभाग ने बताया कि हरदा जिले के किसानों को पानी मिलेगा वहीं 1 अप्रैल से नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा क्षेत्र की रायगढ़, मकड़ई, भिलाड़िया और मिसरोद उपनहरों में पानी पहुंचेगा 5 अप्रैल से इटारसी और नर्मदापुरम क्षेत्र की सुपरली, इटारसी और होशंगाबाद उपनहरों में पानी छोड़ा जाएगा। इसके अलावा पिपरिया शाखा नहर (सोहागपुर) के लिए दायीं तट मुख्य नहर से 8 अप्रैल से किसानों की मांग के अनुसार पानी उपलब्ध कराया जाएगा जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता राजाराम मीना ने बताया कि वर्तमान में तवा बांध में कुल 865 एमसीएम पानी संग्रहित है जिसमें से 771 एमसीएम पानी सिंचाई के लिए उपयोग किया जाएगा यह कदम ग्रीष्मकालीन मूंग फसल की बेहतर उत्पादन क्षमता और किसानों की सिंचाई सुविधा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

VB-GRAMG योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जनपद स्तरीय कार्यशालाएं सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने के लिए जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। यह योजना आगामी 1 अप्रैल 2026 से लागू होने जा रही है जिसके मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा पूर्व तैयारी के रूप में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को प्रशिक्षित करने की पहल की गई है। कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायतों में योजना के बारे में फैल रही भ्रांतियों को दूर करना और सभी संबंधितों को योजना की सही जानकारी प्रदान करना था ताकि भविष्य में इसके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो और सभी ग्राम पंचायतें सक्रिय रूप से भाग ले सकें। कार्यक्रम में जिले की विशेषज्ञ टीम द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें योजना के उद्देश्य, प्रमुख प्रावधान, पात्रता, लाभ, क्रियान्वयन की प्रक्रिया और ग्राम पंचायतों की भूमिका को सरल और प्रभावी ढंग से समझाया गया साथ ही, प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया और उन्हें योजना के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ के सभाकक्ष 'अमृत सदन ', भरतपुर और खड़गवां जनपद पंचायतों के सभाकक्षों में अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में कुल 120 नागरिकों की सहभागिता रही। जनपद पंचायत सदस्य रविशंकर वैश्व, पूजा कोल, आनंद सिंह और अन्य जनप्रतिनिधियों सहित कई ग्राम पंचायतों के सरपंच और उपसरपंच भी उपस्थित थे। कार्यशालाओं के सफल संचालन हेतु सभी आवश्यक संसाधनों की समुचित व्यवस्था की गई थी जिनमें प्रोजेक्टर, लैपटॉप आदि शामिल थे प्रतिभागियों को योजना संबंधी बुकलेट भी वितरित की गई ताकि वे भविष्य में भी जानकारी का संदर्भ ले सकें कार्यक्रम में यह निर्णय लिया गया कि आगामी सप्ताह में क्लस्टर स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा, जिससे प्रत्येक ग्राम पंचायत तक योजना की सही जानकारी पहुंचाई जाएगी और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाएगा कार्यशाला के दौरान, मनरेगा कार्यस्थल पर आकस्मिक निधन हुए हितग्राही स्व. भैयालाल की पत्नी, अहिल्या बाई को मनरेगा प्रावधान के तहत 25,000 रुपये की सहायता राशि का चेक जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रदान किया गया।

पीएम मोदी की मिमिक्री पर निलंबित शिक्षक को हाईकोर्ट से राहत,कोर्ट ने कहा- सस्पेंशन का इस्तेमाल

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री की मिमिक्री करते हुए वीडियो पोस्ट करने पर सस्पेंड किए गए शिक्षक को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ से बड़ी राहत मिली है अदालत ने निलंबन आदेश की प्रभावशीलता पर रोक लगाते हुए मामले को पुनर्विचार के लिए संबंधित अधिकारी के पास भेज दिया है कोर्ट ने साफ कहा कि सस्पेंशन का अधिकार होने का मतलब यह नहीं कि उसका इस्तेमाल मनमाने ढंग से किया जाए प्राथमिक शिक्षक साकेत कुमार पुरोहित को 13 मार्च 2026 को फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था वीडियो में उन्होंने प्रधानमंत्री की मिमिक्री करते हुए गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों पर टिप्पणी की थी पिछोर से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी ने आरोप लगाया कि यह वीडियो समाज में अशांति फैला सकता है और विभाग की छवि को नुकसान पहुंचाता है इसके बाद उन्हें निलंबित कर बीईओ कार्यालय बदरवास से अटैच कर दिया गया। विधायक प्रीतम लोधी की शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई। इसके जवाब में शिक्षक साकेत कुमार पुरोहित की ओर से कोर्ट में दलील दी गई कि वीडियो में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं था और यह केवल एक सामान्य टिप्पणी थी साथ ही यह भी कहा गया कि बिना स्वतंत्र जांच किए जल्दबाजी में सस्पेंशन कर दिया गया। शासन की ओर से कोर्ट में कहा गया कि निलंबन कोई सजा नहीं बल्कि जांच को निष्पक्ष रखने के लिए एक अंतरिम कदम होता है। इसलिए इसमें हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। न्यायमूर्ति आशीष श्रोती की एकल पीठ ने कहा सस्पेंशन का इस्तेमाल सोच-समझकर होना चाहिए केवल अधिकार होना पर्याप्त नहीं उसका विवेकपूर्ण उपयोग जरूरी है। बिना ठोस आधार या दबाव में लिया गया फैसला स्वीकार नहीं किया जा सकता कोर्ट ने यह भी पाया कि वीडियो पोस्ट के अगले ही दिन विधायक की शिकायत पर तत्काल सस्पेंशन कर दिया गया, जिससे अधिकारी की स्वतंत्र सोच पर सवाल खड़े होते हैं। साथ ही 2005 के शासन निर्देशों का भी पालन नहीं किया गया। कोर्ट ने निलंबन आदेश को प्रथम दृष्टया त्रुटिपूर्ण मानते हुए उस पर रोक लगा दी है साथ ही संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि सभी तथ्यों और नियमों को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से निर्णय लिया जाए। शिक्षक ने प्रधानमंत्री की मिमिक्री करते हुए कहा-मेरे प्यारे भाइयों-बहनों, गैस के दाम कम हुए कि नहीं हुए ...नहीं हुए। तो गैस के दाम इसलिए बढ़ गए कि भाइयों-बहनों, गैस की रोटी खाने से पेट में भी गैस बनती है।

डेयरी संचालक की नर्मदा नदी में मिली लाश :पुल से कूदकर सुसाइड की आशंका

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। बुधनी रोड स्थित नर्मदा ब्रिज से नीचे शुक्रवार सुबह 52 वर्षीय दूध डेयरी संचालक कमलेश चौहान का शव मिला है पंचवटी कॉलोनी निवासी कमलेश सुबह करीब 4 बजे परिजनों को बिना बताए घर से निकले थे और सुबह 8 बजे नदी के बीच पत्थरों पर उनकी लाश मिली ब्रिज के ऊपर उनकी लावारिस बाइक और चप्पलें बरामद हुई हैं ।

नाबालिग ने दुकान की चाबी चुराई, 31 मोबाइल बरामद, लाखों की मोबाइल चोरी का खुलासा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। करैरा थाना क्षेत्र में एक मोबाइल दुकान से लाखों की चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग आरोपी को पकड़ा है और उसके पास से 31 मोबाइल फोन बरामद किए हैं जिनकी अनुमानित कीमत 3.30 लाख रुपये है आरोपी ने दुकान की चाबी चुराकर वारदात को अंजाम दिया था। करैरा थाना प्रभारी विनोद छावई ने बताया कि देवनगर करैरा निवासी नीरज गुप्ता (45) ने 11 जनवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी उन्होंने बताया कि उनकी श्रीराम मोबाइल दुकान कच्ची गली गोलम्बर के पास स्थित है 10 जनवरी की रात दुकान बंद करने के बाद अगली सुबह जब उन्होंने दुकान खोली, तो शटर के दोनों ताले टूटे मिले। दुकान से स्मार्टफोन, सीसीटीवी कैमरा, डीवीआर और अन्य सामान गायब था पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी डॉ. आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में करैरा पुलिस ने कार्रवाई की मुखबिर की सूचना पर 27 मार्च को सिल्लारपुर चौराहे से एक नाबालिग को पकड़ा गया वह चोरी के मोबाइल बेचने की फिराक में था। तलाशी के दौरान नाबालिग के पास से रेडमी कंपनी का एक मोबाइल फोन मिला। पूछताछ में उसने श्रीराम मोबाइल दुकान में चोरी करने की बात कबूल कर ली। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि उसने कुल 31 मोबाइल फोन चुराए थे और उन्हें जुझाई नर्सरी में छुपा रखा था। पुलिस ने सभी मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी चोरी की वारदात से एक दिन पहले दोपहर में दुकान पर गया था वहीं से उसने दुकान की चाबी चुरा ली थी।

मूकबधिर ने गुड़िया का सहारा लेकर बताया उससे रेप हुआ :हाईकोर्ट बोला- इशारे की गवाही भी मान्य; आरोपी रिश्तेदार को उम्रकैद

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। मुकबधिर से रेप के आरोपी को हाईकोर्ट ने मरते दम तक उम्रकैद की सजा सुनाई है। मामला साल 2020 का है। जब घर में कोई नहीं था तो आरोपी रिश्तेदार ने घर घुसकर युवती से दुष्कर्म किया था वारदात के बाद युवती ने इशारे में अपनी मां को पूरी बात बताई थी मामला बालोद जिले के अर्जुंदा थाना क्षेत्र का है पीड़िता बोल और सुन नहीं सकती थी इसलिए कोर्ट में प्लास्टिक की गुड़िया का सहारा लेकर उसने अपने साथ हुए गलत काम की गवाही दी थी। हाईकोर्ट ने इस गवाह को भरोसेमंद माना है कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि इस गवाह को खारिज नहीं किया जा सकता संकेतों के माध्यम से दी गई जानकारी भी कानूनी तौर पर मौखिक साक्ष्य है। दरअसल मूक-बधिर से रेप का मामला बालोद जिले के अर्जुंदा थाना क्षेत्र का है 29 जुलाई 2020 को 20 साल की युवती घर पर अकेली थी वह बोल सुन नहीं सकती थी। माता-पिता खेत में काम करने गए थे तभी रिश्तेदार नीलम कुमार देशमुख घर में घुस गया। इस दौरान उसने युवती के साथ रेप किया और मौके से फरार हो गया जब शाम को मां काम से घर लौटी तो उसने बेटी को रोते हुए पाया। पीड़िता ने मां को इशारों में आपबीती बताई साथ ही आरोपी की भी पहचान बताई जिसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे शिकायत पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 450 और 376(2) के तहत केस दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पीड़िता जन्म से ही बोलने और सुनने में अक्षम थी इसलिए कोर्ट के सामने उसकी गवाही दर्ज कराना एक बड़ी चुनौती थी सुनवाई के दौरान ट्रायल कोर्ट ने साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट की मदद ली जब कुछ सवाल पूछने में दिक्कत आई तो कोर्ट ने प्लास्टिक की गुड़िया मंगवाई। पीड़िता ने गुड़िया के माध्यम से इशारों में बताया कि आरोपी ने उसके साथ क्या गलत किया था इसी आधार पर ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। बाद में इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की गई। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि पीड़िता की गवाही पूरी तरह से भरोसेमंद है। इसके अलावा मेडिकल और फॉरेंसिक रिपोर्ट ने भी जुर्म की पुष्टि की। जांच में पीड़िता के स्लाइड्स और आरोपी के कपड़ों पर मानव शुक्राणु पाए गए थे, जिसका आरोपी कोई जवाब नहीं दे सका था। ईकोर्ट ने फैसले में कहा कि केवल मूक-बधिर होने के आधार पर किसी गवाह की बात को खारिज नहीं किया जा सकता इशारों से दी गई जानकारी को भी कानूनी तौर पर मौखिक साक्ष्य माना जाता है कोर्ट ने आरोपी को आईपीसी की धारा 376(2) के तहत मौत होने तक उम्रकैद और धारा 450 के तहत 5 साल जेल की सजा सुनाई है इसके साथ ही 21 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। आरोपी वर्तमान में जेल में बंद है और उसे अपनी पूरी सजा काटनी होगी।

बर्ड-फ्लू से 50 लाख का कारोबार ठप :10 रूके दायरे में चिकन-अंडे की बिक्री बैन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में बर्ड फ्लू फैलने के बाद जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी कर सख्त कदम उठाए हैं कलेक्टर संजय अग्रवाल ने शहर से लगे कोनी स्थित शासकीय कुक्कुट प्रक्षेत्र में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि होने के बाद चिकन और अंडों की बिक्री पर पूरी तरह से 10 किलोमीटर के दायरे में रोक लगा दी है। नगर निगम और ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन-खाद्य विभाग की संयुक्त टीमों को पोल्ट्री फार्म, होटलों और चिकन दुकानों को बंद कराने का जिम्मा सौंपा गया है इसके कारण निगम क्षेत्र में रोजाना करीब 50 लाख रुपए का कारोबार प्रभावित हो रहा है। पशुपालन, नगर निगम और खाद्य विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। अगर कहीं चिकन या अंडों की बिक्री करते हुए पाया गया तो संबंधित सामग्री जप्त कर नष्ट की जाएगी इसके अलावा होटलों और रेस्टोरेंट्स में भी चिकन और अंडों के उपयोग और बिक्री पर रोक है जिसकी निगरानी खाद्य विभाग कर रही है। पशुपालन विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. जीएसएस. तंवर ने बताया कि संक्रमित क्षेत्र के साथ ही आसपास के 10 किमी के दायरे में किसी भी प्रकार की चिकन और अंडे की खरीद-बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। इसके लिए 4-4 सदस्यों की 9 अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं जो लगातार क्षेत्र में निरीक्षण कर रही है। संक्रमण के मद्देनजर नगर निगम के शहरी क्षेत्र के साथ ही सेंदरी, मोपका, तोरवा, लालखदान, राजकिशोर नगर, तिफरा, सकरी, उसलापुर और तारबाहर समेत आसपास के क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। दुकानों की जांच के साथ साफ-सफाई और कचरा निस्तारण को भी देखा गया। पशुपालन विभाग के जांच अधिकारियों का कहना है मौके पर टीम के पहुंचते ही दुकानें बंद कर दी जाती है।

इंडस्ट्रियल एरिया में आटा फैक्ट्री में आग :शॉर्ट सर्किट से हादसा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। गुना बायपास स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में शुक्रवार सुबह एक आटा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यह फैक्ट्री अर्पित बंसल की है जहां गेहूं से आटा तैयार कर उसकी पैकिंग का काम किया जाता है। शुक्रवार सुबह अज्ञात कारणों से फैक्ट्री में आग लगी प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है आसपास के लोगों ने धुआं उठता देख फैक्ट्री संचालक को सूचना दी जिसके बाद प्रशासन को खबर दी गई फायर ब्रिगेड टीम ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया और कुछ समय बाद उस पर नियंत्रण पा लिया हादसे में फैक्ट्री में रखा लाखों का माल जलकर खाक हो गया।

सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले साइबर ठग पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया; एयरपोर्ट पर पार्सल पकड़े जाने का झांसा देकर ठगा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। देहात थाना पुलिस ने पार्सल छुड़ाने के नाम पर 1.04 लाख रुपए की साइबर ठगी करने वाले दो आरोपियों को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। 18 दिसंबर 2025 को आरोपियों ने फरियादी सेवकराम को व्हाट्सएप कॉल कर क्यूआर कोड से रुपए ट्रांसफर करवाए थे आरोपी सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे थे एक आरोपी पुलिस भर्ती का फिजिकल टेस्ट देने मुंबई गया था पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है। देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि 18 दिसंबर 2025 को फरियादी सेवकराम को व्हाट्सएप कॉल आया था ठगों ने झांसा दिया कि उनका पार्सल एयरपोर्ट पर पकड़ा गया है, जिसे छुड़ाने के लिए रुपए लगेंगे इसके बाद क्यूआर कोड भेजकर पार्सल घर डिलीवर होने का दावा किया और धोखे से 1,04,500 रुपये ट्रांसफर करवा लिए। फरियादी ने थाने में एफआईआर कराई थी। आरोपियों ने तकनीकी संसाधनों से धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महाराष्ट्र के औरंगाबाद और जालना से दोनों को गिरफ्तार किया। आरोपी शिवम घोसीर (22) हिंगोली (वर्तमान- सिडको, औरंगाबाद) और तानाजी राठौर (30) जालना का रहने वाला है दोनों प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे तानाजी फिजिकल टेस्ट के लिए मुंबई गया था जहाँ से पुलिस ने उसे पकड़ा। साइबर फ्रॉड के आरोपियों को पकड़ने वाली पुलिस टीम को एसपी साईकृष्णा थोटा ने 10 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ पाण्डे, सउनि लक्ष्मण अमोत्या, सउनि प्रवीण शर्मा, आरक्षक चेतन नरवरे, नर्मदाप्रसाद निमोदा, सुनील साहू, जितेंद्र शेषकर और सायबर सेल के सागर कुशवाह का योगदान रहा।

जहरीले कीड़े के काटने से 9 वर्षीय बालक की मौत छतरपुर में खेत पर हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र में जहरीले कीड़े के काटने से एक 9 वर्षीय बालक की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब बालक अपने खेत पर खेल रहा था। गंभीर हालत में उसे ग्वालियर रेफर किया गया था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम बाहरपुरा निवासी महेंद्र कुशवाहा (9) पुत्र कैलाश कुशवाहा बुधवार दोपहर करीब 3 बजे अपने खेत पर था। इसी दौरान उसे किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया। शुरुआत में महेंद्र को हल्का दर्द महसूस हुआ, लेकिन कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी। उसने घर पहुंचकर परिजनों को घटना के बारे में बताया।

परिजन तुरंत उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने तत्काल उपचार शुरू किया। उपचार के दौरान बच्चे की हालत लगातार बिगड़ती गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए ग्वालियर रेफर कर दिया।

बच्चे को एंबुलेंस से ग्वालियर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसकी तबीयत और खराब हो गई। ग्वालियर पहुंचने से पहले ही महेंद्र ने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन उसे वापस जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टरों के अनुसार, जहरीले कीड़े के जहर का असर तेजी से फैलने के कारण बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी। इस घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

पुलिस ने मामले में पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गुरुवार को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

कुएं में डूबकर 8 साल के बच्चे की मौत बुरहानपुर-पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव निकाला

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के आदिवासी बहुल ग्राम दवाटिया में कुएं में डूबने से आठ साल के एक बालक की मौत हो गई। यह घटना बुधवार शाम की है। सूचना मिलने पर धूलकोट चौकी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला। गुरुवार को बुरहानपुर जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया।मृतक बालक की पहचान दुर्गेश पिता राजेश (8) निवासी ग्राम दवाटिया, पानी फाल्या के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार शाम को हुई। धूलकोट चौकी के प्रधान आरक्षक कोमल वर्मा और आरक्षक संतोष दोगने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।देर रात करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों की सहायता से बालक के शव को कुएं से बाहर निकाला जा सका। इसके बाद शव को बुरहानपुर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां गुरुवार को उसका पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, कुआं लगभग 35 फीट गहरा था, जिसमें करीब 18 फीट तक पानी भरा हुआ था। कुएं में उतरने के लिए तार की सीढ़ियां बनी हुई थीं। आशंका है कि दुर्गेश पानी भरने या पीने के लिए कुएं में उतरा होगा। उसकी दोनों चप्पलें कुएं के पास मिलीं, जिससे इस संभावना को बल मिलता है। पास में जाम का पेड़ होना भी एक कारण बताया जा रहा है।यह कुआं मृतक बालक के घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर एक खेत में स्थित है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक की मां का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है, और उसके पिता राजेश मजदूरी के लिए महाराष्ट्र गए हुए थे। घर में केवल बुजुर्ग दादी मौजूद थीं। दुर्गेश अपने परिवार का इकलौता बेटा था।

पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मूंग सिंचाई के लिए तवाडैम से नहर में छोड़ा पानी

771 एमसीएम पानी उपलब्ध, 1 अप्रैल से नर्मदापुरम और 5 अप्रैल से इटारसी उपनहरों में पहुंचेगा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। हरदा जिले के किसानों के लिए ग्रीष्मकालीन मूंग फसल की सिंचाई के उद्देश्य से तवा डैम से आज (शुक्रवार) नहर में पानी छोड़ना शुरू कर दिया गया। सुबह 9 बजे तवा नहर के एसडीओ एनएस सूर्यवंशी और किसान संघ के पदाधिकारी डैम पर पहुंचकर पूजन पाठ किया। इसके बाद डैम के बायीं तट से गेट खोलकर मुख्य नहर में पानी छोड़ा गया।

जल संसाधन विभाग ने बताया कि हरदा जिले के किसानों को पानी मिलेगा। वहीं, 1 अप्रैल से नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा क्षेत्र की रायगढ़, मकड़ई, भिलाड़िया और मिसरोद उपनहरों में पानी पहुंचेगा।

5 अप्रैल से इटारसी और नर्मदापुरम क्षेत्र की सुपरली, इटारसी और होशंगाबाद उपनहरों में पानी छोड़ा जाएगा। इसके अलावा पिपरिया शाखा नहर (सोहागपुर) के लिए दायीं तट मुख्य नहर से 8 अप्रैल से किसानों की मांग के अनुसार पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

पानी की उपलब्धता: जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता राजाराम मीना ने बताया कि वर्तमान में तवा बांध में कुल 865 एमसीएम पानी संग्रहित है, जिसमें से 771 एमसीएम पानी सिंचाई के लिए उपयोग किया जाएगा। यह कदम ग्रीष्मकालीन मूंग फसल की बेहतर उत्पादन क्षमता और किसानों की सिंचाई सुविधा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

सागर में दिन का पारा 37 डिग्री पार, अगले 48 घंटे में बादल छाने की संभावना

अप्रैल-मई में तेज लू चलने का अनुमान

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में इन दिनों दो तरह का मौसम है। कभी तल्ख धूप खिल रही है तो कभी आसमान में बादलों की आवाजाही देखने को मिल रही है। दिन इतने गर्म है कि पारा 37 डिग्री के पार पहुंच गया है। ये मौसम लोगों की सेहत भी बिगाड़ रहा है। अस्पतालों में सर्दी, जुकाम, एलर्जी के मरीज ज्यादा पहुंच रहे हैं। गर्मी का असर लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 2 डिग्री बढ़कर 37.2 डिग्री पर पहुंच गया। जबकि न्यूनतम तापमान भी 1.6 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 22.6 डिग्री दर्ज किया गया। रात का तापमान 22 डिग्री के पार पहुंचने से लोगों को गर्मी का अहसास रात में भी होने लगा है। प्रदेश के सबसे अधिक न्यूनतम तापमान वाले टॉप पांच शहरों में सागर तीसरे स्थान पर रहा। शुक्रवार को सुबह से सागर का मौसम साफ रहा। तेज धूप खिली। सुबह 9 बजे से ही धूप में चुभन महसूस हुई। लेकिन दोपहर के समय जिले के आसमान में बादलों की आवाजाही रही। कभी धूप तो कभी छांव का दौर जारी रहा।

फिलहाल जिले में मौसम शुष्क बना रहेगा

मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल जिले में मौसम शुष्क बना रहेगा। दिन में तेज धूप और शाम को हल्की हवा का असर बना रहेगा।

वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडल में ट्रफ के रूप में सक्रिय है। जबकि दक्षिण-पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान-मध्य पाकिस्तान क्षेत्र में ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 28 मार्च से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। जिससे आंशिक बादल और तापमान में हल्की गिरावट होने की संभवना है।

अप्रैल और मई में तेज गर्मी का अनुमान

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अबकी बार अप्रैल और मई में हीट वेव यानी, लू चलेगी। 15 से 20 दिन तक लू चल सकती है, लेकिन मार्च में लू चलने का अलर्ट नहीं है।

इस साल अप्रैल और मई में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ने का अनुमान जताया है। तापमान 45 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है।

रायसेन में पेट्रोल-डीजल की पैनिक खरीदी 50 लीटर पेट्रोल और 200 लीटर डीजल की लिमिट तय

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध की अफवाहों के बीच रायसेन में गैस सिलेंडरों के बाद अब पेट्रोल-डीजल की पैनिक खरीदी शुरू हो गई है, जिससे बीते दो दिनों में ईंधन की खपत दोगुनी होकर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

गेहूं की फसल कटाई के लिए किसान बड़े ड्रम लेकर पंपों पर पहुंच रहे हैं, जिसे देखते हुए तेल कंपनियों ने प्रति ग्राहक अधिकतम 50 लीटर पेट्रोल और 200 लीटर डीजल देने की सीमा तय कर दी है। वर्तमान में पंपों पर स्टॉक पर्याप्त है, लेकिन पेट्रोल की खपत 2400 से बढ़कर 4000 लीटर और डीजल की 5000 से 12000 लीटर हो जाने के कारण स्थिति संभालनी पड़ रही है, वहीं सागर तिराहे का एक पंप चार दिन से ड्राई पड़ा है।

कंपनी के निर्देश पर तय हुई लिमिट: सागर रोड पेट्रोल पंप के संचालक जितेंद्र साहू ने बताया कि उन्हें कंपनी से निर्देश मिले हैं कि वे प्रति ग्राहक 200 लीटर से अधिक डीजल और 50 लीटर से अधिक पेट्रोल न दें। उन्होंने बताया कि उनके पंप पर एक किसान 1,000 लीटर डीजल लेने के लिए पांच ड्रम लेकर पहुंचा था, लेकिन निर्धारित सीमा के कारण उसे उतना ही डीजल दिया गया जितना तय था।

हार्वेस्टर के लिए चाहिए 300 लीटर डीजल, मिला सिर्फ 150 लीटर किसान प्रदीप सिंगरौली को 300 लीटर डीजल की आवश्यकता थी, लेकिन उन्हें निर्धारित सीमा के अनुसार 150 लीटर ही दिया गया। किसानों का कहना है कि गेहूं कटाई के लिए हार्वेस्टर और अन्य कृषि मशीनों को डीजल-पेट्रोल की भारी जरूरत है।

सागर तिराहे के पंप पर 4 दिन से स्टॉक नहीं: जिले में युद्ध की अफवाहों के कारण लोग और किसान ईंधन का भंडारण करने के लिए पेट्रोल पंपों पर पहुंच रहे हैं। इस अप्रत्याशित मांग और पैनिक खरीदी के बीच सागर तिराहे स्थित एक पेट्रोल पंप पर बीते चार दिनों से पेट्रोल और डीजल उपलब्ध नहीं है।

विदिशा में 4 अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर

बिना अनुमति काट रहे थे प्लॉट

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कुरवाई क्षेत्र में चार अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाकर निर्माण ध्वस्त कर दिए गए। यह कार्रवाई कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देश पर एसडीएम मनीष जैन के नेतृत्व में की गई। जिले में तेजी से फैल रही अवैध कॉलोनियों के कारण आम लोग ठगी का शिकार हो रहे थे। भू-माफिया खेतों को प्लॉट में बदलकर लोगों को आधुनिक सुविधाओं का सपना दिखाते थे, लेकिन हकीकत में सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं न मिलने से प्लॉट खरीदने वाले परेशान होते थे।

बिना अनुमति तैयार की जा रही थीं: प्रशासन की टीम ने बीना रोड और कैथौरा रोड पर विकसित की जा रही उन कॉलोनियों को निशाना बनाया, जो बिना किसी वैध अनुमति के तैयार की जा रही थीं। कार्रवाई के दौरान अवैध निर्माणों को जमींदोज कर दिया गया। कॉलोनाइजरों द्वारा बनाई गई सड़कें उखाड़ी गई और नालियों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।एसडीएम मनीष जैन ने स्पष्ट किया कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और रेरा की अनुमति के बिना कॉलोनी काटना पूरी तरह गैर-कानूनी है। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई अवैध उपनिवेशन पर रोक लगाने के उद्देश्य से की गई है और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। प्रशासन ने आम जनता से अपील की कि वे आकर्षक विज्ञापनों के झांसे में न आएं।

श्योपुर बाढ़ राहत घोटाले में तहसीलदार गिरफ्तार, कोर्ट ने भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, श्योपुर (निप्र)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में वर्ष 2021 के बहुचर्चित बाढ़ राहत घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए विजयपुर तहसील में पदस्थ तहसीलदार अमिता सिंह तोमर को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट की ओर से उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। बड़ौदा एसडीओपी अविनीत शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने गुरुवार को ग्वालियर स्थित उनके निवास पर दबिश देकर उन्हें हिरासत में लिया और श्योपुर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। यह पूरा मामला वर्ष 2021 में श्योपुर जिले में आई भीषण बाढ़ के बाद राहत वितरण में हुई अनियमितताओं से जुड़ा है। बाढ़ के बाद बड़ौदा तहसील में 794 प्रभावित हितग्राहियों के नुकसान का आंकलन किया गया था, लेकिन जांच में सामने आया कि 127 फर्जी खातों में करीब 2.57 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर कर गबन किया गया।

ऑडिट के दौरान इस घोटाले का खुलासा हुआ, जिसके बाद डिप्टी कलेक्टर स्तर पर जांच शुरू की गई। जांच में कई अधिकारियों और कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आई, जिनमें तहसीलदार अमिता सिंह तोमर भी शामिल थीं। इसके बाद तत्कालीन एसडीओपी प्रवीण कुमार अष्ठाना ने विस्तृत जांच करते हुए 25 पटवारियों सहित कुल 110 लोगों को आरोपी बनाया था। जांच के दौरान कुछ आरोपियों द्वारा गबन की गई राशि का आंशिक भुगतान भी किया गया।

पुलिस विवेचना में यह भी सामने आया कि घोटाले में कुछ भुगतान आरोपियों के परिजनों के खातों में भी किए गए थे। बड़ौदा थाना पुलिस ने अमिता सिंह तोमर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए राहत राशि वितरण प्रक्रिया में धांधली की।

मंदसौर में बुजुर्ग की पत्थरों से कुचलकर निर्मम हत्याजमीन विवाद में मार डालने की आशंका, खेत से लौटते समय हमला

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र अंतर्गत साखतली गांव में शुक्रवार को खेत से घर लौट रहे एक बुजुर्ग की पत्थरों से कुचलकर निर्मम हत्या कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, बुजुर्ग साइकिल से अपने खेत से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सुनसान इलाके में पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन्हें रोका और पत्थरों से सिर कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। उनकी पहचान नहीं हो सकी है।

फोरेंसिक और डॉग स्क्वॉड ने किया निरीक्षण: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स तथा डॉग स्क्वॉड की मदद से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में सर्चिंग अभियान भी चला रही है।

पोस्टमार्टम के बाद सौंपा जाएगा शव: फिलहाल मृतक के शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। इसके बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सीतामऊ पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे के कारणों की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर मामले का खुलासा किया जाएगा। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बुजुर्ग शंकरलाल पाटीदार का लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस फ़िलहाल सभी एंगल से जांच कर रही है।

खंडवा सिटी कोतवाली में टावर पर चढ़ा शख्स विधवा फुफेरी बहन से शादी पर अड़ा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा सिटी कोतवाली परिसर में शुक्रवार तड़के 4 बजे सूरजकुंड निवासी दादू (पिता सुरेश) पारिवारिक विवाद के चलते पुलिस कंट्रोल रूम के टावर पर चढ़ गया। सुबह 7 बजे नजर पड़ने पर सीएसपी अभिनव बारंगे ने समझाइश देकर उसे नीचे उतारा।युवक ने अपनी गर्दन पर धारदार वस्तु से वार कर चोटें पहुंचाई हैं, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूछताछ और परिजनों के बयानों में सामने आया है कि युवक अपनी विधवा फुफेरी बहन को पति की मौत पर मिले 7 लाख रुपए के क्लेम को हड़पने के लिए शादी का दबाव बना रहा था और रात में मारपीट के बाद पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए टावर पर चढ़ा था। सिटी एसपी अभिनव बारंगे के अनुसार, पूछताछ में दादू ने दावा किया कि उसने अपनी फुफेरी बहन से शादी कर रखी है। रात को दोनों के बीच विवाद हुआ था और उसने पुलिस बुला ली थी। युवक का तर्क था कि उसकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है, इसलिए वह टावर पर चढ़ गया था। बुआ बोलीं– नशेड़ी है, पैसों के लिए शादी का दबाव बना रहा: थाने पहुंची दादू की बुआ ने स्पष्ट किया कि दादू उनके भाई का लड़का है और उनकी विधवा बेटी रोशनी से शादी की फिराक में है। रोशनी के पति की 4 साल पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी, जिसका 7 लाख रुपए क्लेम मिला है।बुआ ने आरोप लगाते हुए कहा, 'क्लेम की राशि हड़पने के लिए दादू चाहता है कि बेटी रोशनी से उससे शादी कर ले, दादू नशेड़ी और आपराधिक प्रवृत्ति का हैं। शादी का दबाव बनाने के लिए वह पहले भी बिजली के पोल और पेड़ों पर चढ़ चुका हैं। रात को उसने मेरे साथ और बेटी, नाती के साथ मारपीट की। हम लोग थाने आए तो वह भी यहां पहुंच गया और नौटंकी करने के लिए टावर पर चढ़ गया।

सीहोर की सील पनीर फैक्ट्री चलती मिली ईडी कार्रवाई के बाद नाम बदलकर रात-दिन संचालन हो रहा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के बहुचर्चित पनीर फैक्ट्री, जिसके मालिक किशन मोदी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 20 करोड़ रुपए से अधिक की मनी लॉन्ड्रिंग और मिलावटखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है, वह अब भी धड़ल्ले से संचालित हो रही है। फैक्ट्री के मुख्य गेट पर ताला लगा रहता है, लेकिन पीछे के रास्तों से मजदूर, वाहन और कच्चा माल लगातार आ-जा रहे हैं। जांच में सामने आया है कि प्रशासनिक कार्रवाई से बचने के लिए कंपनी का नाम बदल दिया गया है। पहले यह फैक्ट्री जयश्री गायत्री फूड (मिल्क मैजिक) के नाम से जानी जाती थी, जिसे अब हेल्थ ब्रिज प्राइवेट लिमिटेड के नए बोर्ड के साथ चलाया जा रहा है।

सामने का गेट बंद रखा जाता है: स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, प्रशासन को गुमराह करने के लिए सामने का गेट बंद रखा जाता है, ताकि यह लगे कि फैक्ट्री सील है। हालांकि, अंदर घी, दूध और पनीर जैसे उत्पादों की पैकिंग का काम तेजी से जारी है। इस गोपनीय संचालन की जानकारी लेने की कोशिश करने पर फैक्ट्री के सुरक्षा गार्डों ने किसी को भी अंदर प्रवेश नहीं करने दिया। पूर्व में हुई कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री की बिजली भी काट दी गई थी, इसके बावजूद अंदर काम का चलना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। ईडी ने किशन मोदी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। जांच में यह खुलासा हुआ था कि कंपनी दूध के प्राकृतिक फैट की जगह हानिकारक पाम ऑयल का उपयोग कर रही थी। कंपनी ने विदेशों में निर्यात की मंजूरी पाने के लिए लैब की फर्जी टेस्ट रिपोर्ट भी तैयार की थी। ईडी ने इस फर्जीवाड़े से कमाई गई 20.59 करोड़ रुपए की राशि को 'अपराध की आय' घोषित किया है।

अफसर बोले– गतिविधियों की जांच करेंगे: सीहोर की फूड इंस्पेक्टर सारिका गुप्ता ने बताया कि पूर्व में जब कार्रवाई हुई थी, तब फैक्ट्री बंद पाई गई थी। उन्होंने कहा कि इसे दोबारा कब और कैसे शुरू किया गया, इस संबंध में फिलहाल विभाग को कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभाग एक टीम भेजकर नमूने लेगा और वर्तमान में वहां चल रही गतिविधियों की जांच करेगा।

रतलाम में पेट्रोल पंपों पर कम हुई भीड़

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में पिछले दो दिन से पेट्रोल के लिए लोगों की भीड़ पेट्रोल पंपों पर उमड़ रही थी। तीसरे दिन गुरुवार को भीड़ कम नजर आई। आसानी से लोगों को पेट्रोल, डीजल अपने वाहनों में भरवाया। पेट्रोल पंप भी चालू रहे है। पेट्रोल, डीजल भरवाने की कोई लिमिट भी नहीं दी। जरुरत के हिसाह से लोग अपने वाहनों में पेट्रोल व डीजल भरवा रहे थे।पेट्रोल की कमी व रेट बढ़ने की अफवाहों के चलते दो दिन से शहर के पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड़ उमड़ रही थी। यहां तक पेट्रोल, डीजल की सप्लाई में देरी के कारण कुछ पेट्रोल पंप भी बंद हो गए थे। जिसे शहर के पेट्रोल पंपों पर पैनिक की स्थिति पैदा हो गई थी।अधिकारियों को पेट्रोल पंपों पर जाकर स्टॉक जांच तक करना पड़ी। लोगों को समझा पड़ा था। गुरुवार को स्थिति पूरी तरह से सामान्य रही। यहां तक पेट्रोल के टैंकर भी पंपों पर खाली होते नजर आए।**जरूरत अनुरुप मिला:** पेट्रोल भरवाने आए प्रोफेसर इमरान हुसैन ने बताया कि पिछले दो दिन से जो पैनिक था वह आज नहीं है। पेट्रोल पंप पर किसी प्रकार की कोई भीड़ नहीं है। जितना भरवाना था उतना पेट्रोल दिया। कोई लिमिट नहीं थी।

वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-10 भारतीय बैटर

सहवाग से आगे युवराज, रोहित शर्मा नंबर 1

भारत के लिए सचिन तेंदुलकर ने सबसे ज्यादा वनडे मैच खेले थे, लेकिन वो क्रिकेट के इस प्रारूप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय नहीं हैं। वनडे में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप 10 भारतीय बैटर्स में कई दिग्गज शामिल हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे क्रिकेट में एक तरफ जहां सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी (264 रन) साथ ही सबसे ज्यादा दोहरे शतक (3) लगाने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम पर दर्ज है तो वहीं इस प्रारूप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में भी रोहित शर्मा पहले स्थान पर मौजूद हैं। रोहित वनडे में एकमात्र ऐसे भारतीय बैटर हैं जिनके नाम पर 350 से ज्यादा छक्के दर्ज हैं। कमाल की बात ये है कि भारत के लिए सबसे ज्यादा वनडे मैच खेलने वाले सचिन तेंदुलकर इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर मौजूद हैं तो वहीं भारत के पूर्व तूफानी ओपनर वीरेंद्र सहवाग सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में युवराज सिंह से पीछे हैं जो नंबर 4 पर या फिर कई बार उससे नीचे बल्लेबाजी के लिए आते थे।

रोहित ने लगाए हैं 357 छक्के

रोहित ने भारत के लिए अब तक 282 वनडे खेले हैं जिसमें उनके नाम पर 357 छक्के दर्ज हैं। वो इस प्रारूप में अभी खेल रहे हैं और जिस गति से वो रन बनाते और शॉट लगाते हैं वो 400 का आंकड़ा शायद छू सकते हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर भारत के सबसे सफल कप्तान एमएस धोनी हैं जिन्होंने 350 मैचों में 229 छक्के लगाए थे। भारत के लिए सबसे ज्यादा 462 वनडे खेलने वाले सचिन तेंदुकर ने 195 छक्के लगाए थे। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली हैं जिन्होंने 311 वनडे मैच खेलकर कुल 190 छक्के लगाए थे जबकि विराट कोहली इस सूची में 168 छक्कों के साथ 5वें स्थान पर मौजूद हैं। कोहली ने अब तक कुल 311 वनडे मैच खेले हैं। भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह इस लिस्ट में छठे स्थान पर हैं जबकि सहवाग 7वें नंबर पर हैं। युवराज ने 304 मैचों में 155 छक्के लगाए थे जबकि सहवाग ने 251 मैचों में 136 छक्के जड़े थे। भारत की तरफ से वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप 10 बल्लेबाजों में 8वें स्थान पर सुरेश रैना हैं जिन्होंने 226 मैचों में 120 सिक्स लगाए थे जबकि नौवें स्थान पर अजय जडेजा मौजूद हैं जिन्होंने 196 मैचों में 85 छक्के लगाए थे।

कर्नाटक विधायकों को नमुताबिक टिकट नहीं मिल रहा

विधानसभा में उठा मुद्दा

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक विधानसभा में गुरुवार को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले आईपीएल 2026 के मैचों के लिए राज्य के विधायकों को टिकट दिए जाने का मुद्दा उठाया गया। अध्यक्ष यू.टी. खादर ने सरकार से अपील की कि वह संबंधित अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाए। खादर ने कहा कि विधायकों को अभी सिर्फ एक आम टिकट दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि अधिकारियों को चिंता है कि विधायक अक्सर अपने टिकट दूसरों को दे देते हैं, जिससे वीआईपी गैलरी में भीड़ बढ़ जाती है और प्रबंधन में दिक्कतें आती हैं। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था से विधायकों को काफी परेशानी और शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है।

खादर ने कहा, 'जब कोई विधायक मैच देखने जाता है, तो हो सकता है कि स्टाफ उन्हें पहचान न पाए और उनके साथ उचित सम्मान से पेश न आए। इसका नतीजा यह होता है कि कई विधायक मैच देखने जाने से कतराते हैं। 'स्पीकर ने सुझाव दिया कि अधिकारियों को बातचीत के लिए बुलाया जाए और एक साफ नीति बनाई जाए। उन्होंने सिफारिश की कि हर विधायक को कम से कम चार टिकट दिए जाएं और यह पक्का करने के लिए उचित इंतजाम किए जाएं कि उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार हो। विधायकों ने उनके इन सुझावों का स्वागत किया और समर्थन में अपनी मेजें थपथपाई।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया कि अधिकारी इतनी आसानी से बात नहीं मानेंगे और सुझाव दिया कि सरकार को अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में मैचों के दौरान सीएल-7 शराब के लाइसेंस दिए जाने और स्टेडियम परिसर में बार चलाए जाने पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, 'अगर आप उन पर सख्ती करेंगे, तो वे अपने आप ही लाइन पर आ जाएंगे। 'कई विधायकों ने बताया कि आईपीएल मैच 28 मार्च से शुरू होने वाले हैं और मांग की कि हर विधायक को कम से कम पांच टिकट दिए जाएं और स्टेडियम में उन्हें उचित पहचान दी जाए। खादर ने साफ किया कि विधायक टिकट के लिए उनके पास न आएं, बल्कि इस मामले को उप-मुख्यमंत्री के सामने उठाएं। कुछ विधायकों ने स्टेडियम में विधायकों और मंत्रियों के लिए एक अलग गैलरी बनाने की भी मांग की, ताकि उन्हें बैठने की उचित जगह मिल सके और प्रोटोकॉल का पालन हो सके।

38 साल से शीर्ष पर कायम है भारतीय क्रिकेटर

डेब्यू टेस्ट मैच में 16 विकेट लेकर नरेंद्र हिरवानी और बॉब मैसी ने जो इतिहास रचा, वह आज भी कायम है। जानिए उन गेंदबाजों की लिस्ट जिन्होंने अपने पहले ही मैच में तबाही मचा दी थी।

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट मैच खेलना हर क्रिकेटर के लिए किसी सपने के सच होने जैसा होता है। पांच दिन के खेल में बल्लेबाजों को आउट करना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन क्रिकेट के पन्नों में कुछ ऐसे असाधारण गेंदबाज हुए हैं, जिन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में ही इतिहास रच दिया। इस सूची में नरेंद्र हिरवानी और बॉब मैसी जैसे नाम सबसे ऊपर हैं। नरेंद्र हिरवानी और बॉब मैसी ने डेब्यू टेस्ट मैच में ही 16-16 विकेट लेकर क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। दिलचस्प यह है कि यह सिलसिला सिर्फ पुराने दौर तक सीमित नहीं रहा, हाल के वर्षों में भी गस एटकिंसन और प्रभात जयसूर्या जैसे गेंदबाज भी अपने पहले ही टेस्ट मैच में तूफान मचा चुके हैं। आइए एक नजर डालते हैं उन दिग्गज गेंदबाजों पर जिन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में ही नौ या उससे ज्यादा विकेट लेकर दुनिया में अपना लोहा मनवाया। साल 1988 में चेन्नई की स्पिन-फ्रेंडली पिच पर नरेंद्र हिरवानी ने वेस्टइंडीज जैसी मजबूत टीम के खिलाफ 16 विकेट लेकर क्रिकेट इतिहास में अपना नाम अमर कर दिया। उस समय वेस्टइंडीज के पास दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाज थे, लेकिन नरेंद्र हिरवानी की फिरकी के सामने सब बेबस नजर आए। उनसे पहले 1972 में ऑस्ट्रेलिया के बॉब मैसी ने इंग्लैंड के खिलाफ 16 विकेट लेकर तहलका मचा दिया। खास यह रहा कि बॉब मैसी ने यह कारनामा उस मैदान पर किया।

टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू मैच में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष-30 गेंदबाज

खिलाड़ी	देश	किसके खिलाफ	मैदान	मैच तिथि	विकेट	ओवर	मे. ओवर	रन	इकॉनमी
नरेंद्र हिरवानी	भारत	वेस्टइंडीज	चेन्नई	11 जनवरी 1988	16	33.5	6	136	4.01
रॉबर्ट अर्नोल्ड	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	लॉर्ड्स	22 जून 1972	16	60.1	16	137	2.27
फ्रेडरिक मार्टिन	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	द ओवल	11 अगस्त 1890	12	57.2म5	21	102	2.13
गस एटकिंसन	इंग्लैंड	वेस्टइंडीज	लॉर्ड्स	10 जुलाई 2024	12	26	7	106	4.07
प्रभात जयसूर्या	श्रीलंका	ऑस्ट्रेलिया	गाले	08 जुलाई 2022	12	52	5	177	3.4
जेसन क्रेजा	ऑस्ट्रेलिया	भारत	नागपुर	06 नवंबर 2008	12	74.5	4	358	4.78
क्लैरेंस विक्टर ग्रिमेट	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	सिडनी	27 फरवरी 1925	11	31.3म8	5	82	1.96
चार्ल्स स्टोवेल मैरियट	इंग्लैंड	वेस्टइंडीज	द ओवल	12 अगस्त 1933	11	41.1	8	96	2.33
अल्फ्रेड इवर्ट हॉल	साउथ अफ्रीका	इंग्लैंड	केपटाउन	एक जनवरी 1923	11	62.3	20	112	1.79
मोहम्मद जाहिद	पाकिस्तान	न्यूजीलैंड	रावलपिंडी	28 नवंबर 1996	11	41	8	130	3.17
एलेक विक्टर बेडसर	इंग्लैंड	भारत	लॉर्ड्स	22 जून 1946	11	61.2	14	145	2.36
प्रवीण जयविक्रम	श्रीलंका	बांग्लादेश	पल्लीकेले	29 अप्रैल 2021	11	64	17	178	2.78
सिडनी फ्रैंक बर्क	साउथ अफ्रीका	न्यूजीलैंड	केपटाउन	01 जनवरी 1962	11	81	29	196	2.41
अल्फ्रेड लुईस वैलेंटाइन	वेस्टइंडीज	इंग्लैंड	मैनचेस्टर	08 जून 1950	11	106	36	204	1.92
अबरार अहमद	पाकिस्तान	इंग्लैंड	मुल्तान	09 दिसंबर 2022	11	51	4	234	4.58
जॉन लीवर	इंग्लैंड	भारत	दिल्ली	17 दिसंबर 1976	10	36.4	12	70	1.9
हाइंस जॉनसन	वेस्टइंडीज	इंग्लैंड	किंग्सटन	27 मार्च 1948	10	65.5	24	96	1.45

IPL 2026 से पहले मुंबई इंडियंस को पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने दी सलाह

हार्दिक को सम्मानपूर्वक हटा दें, रोहित जैसा व्यवहार ना करें

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस हार्दिक पंड्या की कप्तानी में आईपीएल 2026 में अपना छठा खिताब जीतने की कोशिश करेगी। इस टीम ने 6 साल पहले अपना आखिरी खिताब जीता था और उसके बाद से इस टीम का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। पांच बार की चैंपियन मुंबई अपनी पुरानी साख को फिर से हासिल करने के लिए बेताब है, लेकिन ये आसान नहीं होने वाला है।

हार्दिक पंड्या को समानपूर्वक हटा दें

आईपीएल 2026 से ठीक पहले भारत के पूर्व क्रिकेट मोहम्मद कैफ ने मुंबई इंडियंस से आग्रह किया है कि इस सीजन में अगर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता है तो वो सब्र रखें या अगर उन्हें सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाने का विकल्प सही लगता है तो वो हार्दिक पंड्या को सम्मानपूर्वक हटा दें, लेकिन वैसे नहीं जैसा कि उन्होंने रोहित शर्मा के साथ किया था।

मुंबई इंडियंस को नहीं करनी चाहिए गलती

कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि मुझे नहीं लगता है कि मुंबई इंडियंस को वही गलती दोबरा दोहरानी चाहिए।
रोहित शर्मा को अचानक से हटाकर हार्दिक पंड्या को लाने के बाद उनका सीजन काफी खराब रहा था, लेकिन हार्दिक पंड्या अब अपनी भूमिका में जम रहे हैं। पिछले साल वो प्लेऑफ में भी पहुंचे थे इसलिए कप्तान के तौर पर हार्दिक पंड्या ने अच्छा काम किया है।

रोहित जैसे बर्ताव हार्दिक के साथ नहीं होना चाहिए

कैफ ने आगे कहा कि मुंबई के लिए सूर्यकुमार यादव एक विकल्प हैं, लेकिन हार्दिक पंड्या के साथ वैसा नहीं होना चाहिए जैसे उन्होंने रोहित शर्मा के साथ किया था। ये कहकर कि अब हमारे पास हार्दिक पंड्या हैं जिन्होंने गुजरात को चैंपियन बनाया है इसलिए अब वही कप्तानी करेंगे। उस समय हार्दिक पंड्या चर्चा का केंद्र थे और अब सूर्यकुमार यादव चर्चा में हैं। अगले साल कोई और होगा तो क्या आप सूर्या को हटा देंगे।

सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप

भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंदकर टूर्नामेंट से बाहर किया

माले (मालदीव), एजेंसी। भारत ने सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 के अपने शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 3-0 से शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले के हीरो ओमांग डोडुम रहे, जिन्होंने दूसरे हाफ (64वें और 88वें) में 2 गोल दागे। गुरुवार को माले के नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-बी के मुकाबले में जीत के साथ 'ब्लू कोल्ट्स' ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इसके साथ ही पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया। इस जबरदस्त जीत के साथ, भारतीय टीम आसानी से नॉकआउट दौर में पहुंच गई है। ग्रुप चरण के अपने अभियान को समाप्त करने के लिए 'ब्लू कोल्ट्स' अब 28 मार्च को बांग्लादेश का सामना करेंगे। इस शानदार जीत से टूर्नामेंट में भारत को शुरुआती बढ़त मिल गई है। ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने और ग्रुप ए के उपविजेता के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें सिर्फ एक अंक की जरूरत है।

भारत ने आक्रामक शुरुआत की और दो मिनट के भीतर ही एक मौका बना लिया। विशाल यादव दाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और ओमांग डोडुम के लिए बॉक्स में एक खतरनाक क्रॉस डाला, लेकिन फॉरवर्ड खिलाड़ी उसे गोल में नहीं बदल पाए। तीसरे ही मिनट में गुरनाज सिंह ने सूझबूझ दिखाते हुए बॉक्स में एक सटीक 'थ्रू-बॉल' डाली।

कुछ ही देर बाद सफलता हाथ लगी। यादव की दौड़ को भांपते हुए, गुरनाज सिंह ग्रेवाल ने पाकिस्तान के डिफेंस के ऊपर से गेंद उछाली। विंगर ने गेंद को अच्छे से कंट्रोल किया और एक शॉट लगाने की कोशिश की, जिसे रोक दिया गया। हालांकि, उन्होंने 'रिबाउंड' पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और अपने बाएं पैर से 'नियर पोस्ट' पर गोल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिला दी। इस गोल से भारत का आत्मविश्वास बढ़ा, लेकिन पाकिस्तान धीरे-धीरे मैच में जम गया और भारतीय डिफेंस की परीक्षा लेने लगा। वे दो मौकों पर बराबरी करने के बेहद करीब पहुंचे, लेकिन गोलकीपर सूरज सिंह अहीबम ने उन्हें रोक दिया। सूरज ने दो बेहतरीन बचाव किए। सबसे पहले, खोबैब खान ने नजीबुल्लाह के लिए एक गेंद उछाली, जो रोशन सिंह थांगजम को छकाकर आगे निकल गए।

जैसे ही उन्होंने शॉट लगाने की तैयारी की, सूरज अपनी जगह से तेजी से आगे बढ़े और सही समय पर बीच-बचाव करके गोल बचा लिया। इसके तुरंत बाद, नजीबुल्लाह ने सिर से गेंद को खान की तरफ उछाला, लेकिन पाकिस्तानी स्ट्राइकर की यह कोशिश भी भारतीय गोलकीपर ने एक बार फिर नाकाम कर दी।

हालांकि, पहले हाफ में पाकिस्तान को बराबरी करने के कई मौके मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और गोलकीपर सूरज अहेइबम ने डटकर मुकाबला किया और कई अहम बचाव करके गोल होने से रोक दिया। पाकिस्तान के हाथ से निकले ये मौके उन्हें भारी पड़े। दूसरे हाफ में, भारत ने एक तेज जवाबी हमले के जरिए अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। सैमसन अहोंगशांगबम गेंद को डिफेंस से निकालकर बाईं ओर ले गए, और फिर एक सटीक क्रॉस के जरिए गेंद ऋषि सिंह निंथौखोंगजम को पास कर दी। ऋषि ने गेंद डोडुम की तरफ बढ़ाई। डोडुम गोलकीपर जुल्कुरनैन से पहले गेंद तक पहुँच गए और 64वें मिनट में सिर से मारकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। दो गोल की बढ़त के साथ, भारत ने खेल की गति पर अपना नियंत्रण बनाए रखा, जबकि पाकिस्तान खेल में वापसी का कोई रास्ता तलाशता रहा। भारतीय डिफेंस मजबूत और अनुशासित बना रहा, जिससे पाकिस्तान को ज्यादा मौके नहीं मिल पाए। मैच के आखिर में भारत ने जीत पक्की कर ली। 88वें मिनट में, मुहम्मद जुनैद ने पेनाल्टी एरिया के अंदर प्रशांत जाजो को गिरा दिया, जिसके बाद रेफरी वीरेंद्र राय ने भारत को पेनाल्टी किक दे दी। डोडुम ने आगे बढ़कर एक जोरदार शॉट लगाया और गोल कर दिया। यह उनका मैच का दूसरा गोल था और इसके साथ ही भारत की जीत पर कोई शक नहीं रह गया।

कर्नाटक के तैराक मणिकांता ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की, छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत ने जीता दूसरा पदक

ओडिशा की अंजलि मुंडा ने महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में एक और स्वर्ण पदक जीता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कर्नाटक के तैराक मणिकांता एल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में अपना तीसरा लगातार स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की। वहीं ओडिशा की अंजलि मुंडा ने महिलाओं की स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। यह उपलब्धियां उन्होंने गुरुवार को यहां खेले जा रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दूसरे दिन हासिल कीं। मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए भी खुशी की बात रही, जहां स्थानीय तैराक अनुष्का भगत ने महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में दूसरा स्थान हासिल कर अपना दूसरा रजत पदक जीता। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के इस पहले संस्करण में 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें लगभग 3800 खिलाड़ी नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर हैं, जबकि मल्लखंब और कबड्डी को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है। मणिकांता, जिन्होंने बुधवार को 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीते थे, ने अपना दबदबा जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले 2:25.93 सेकंड में जीत लिया। त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा (2:34.04 सेकंड) ने रजत और ओडिशा के कान्हू सोरेन (2:36.21 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में अंजलि मुंडा ने 2:53.82 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत (2:59.33 सेकंड) ने रजत और ओडिशा की अंजलि मलिक (3:06.13 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। पदक तालिका में कर्नाटक छह स्वर्ण और दो रजत पदकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि ओडिशा तीन स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वेटलिफ्टिंग में असम की मोनिखा सोनोवाल और मिजोरम के इसाक मालसावम्तलुआंगा ने चोट से जूझते हुए शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीते। मोनिखा ने घुटने की चोट के बावजूद महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में 57 किग्रा स्नैच और 75 किग्रा क्लीन एंड जर्क के साथ कुल 132 किग्रा उठाकर स्वर्ण पदक जीता। ओडिशा की दीपा रानी मलिक (120 किग्रा) ने रजत और अंडमान-निकोबार की अलास्का अलीना (115 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया। मोनिखा, जो असम के धेमाजी जिले से हैं, ने बताया कि तीन महीने पहले अभ्यास के दौरान उनका घुटना मुड़ गया था और कोच उन्हें प्रतियोगिता से हटाने पर विचार कर रहे थे, लेकिन उन्होंने खेलने का फैसला किया। उन्नीस साल के खिलाड़ी ने कहा,' मैं इस प्रतियोगिता को मिस नहीं करना चाहती थी क्योंकि मैं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाना चाहती थी। मुझे खुशी है कि मैं दबाव में अच्छा प्रदर्शन कर सकी। '

मिजोरम के इसाक मालसावम्तलुआंगा भी पीठ की चोट से जूझ रहे थे। स्नैच में 108 किग्रा उठाने में संघर्ष के कारण वह दूसरे स्थान पर थे, लेकिन क्लीन एंड जर्क में शानदार वापसी करते हुए 130 किग्रा उठाकर कुल 235 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। झारखंड के बाबूलाल हेम्ब्रम (230 किग्रा) ने रजत और ओडिशा के सुब्रत नाइक (228 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता।

संयोग से शुरुआत, ऐतिहासिक स्वर्ण तक

ओडिशा की अंजलि मुंडा ने रचा इतिहास

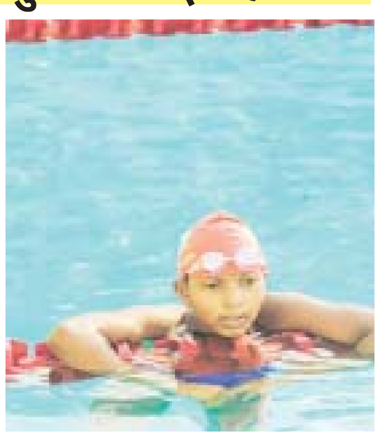

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी-कभी जीवन की दिशा एक छोटे से निर्णय से बदल जाती है। ओडिशा की 15 वर्षीय अंजलि मुंडा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। वर्ष 2022 में कक्षा में खेल चयन के दौरान उन्होंने तैराकी को चुना–एक ऐसा खेल जिसे वे उस समय सिर्फ मनोरंजन के रूप में जानती थीं। आज, वही निर्णय उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक उपलब्धि तक ले आया है। ओडिशा के जाजपुर जिले के गहिरागड़िया गांव की रहने वाली अंजलि ने रायपुर में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 2:39.02 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही वे इस प्रतियोगिता की पहली महिला स्वर्ण पदक विजेता बन गई।

साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली अंजलि चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। उनके पिता एक स्थानीय फैक्ट्री में वैन चालक हैं। 10 वर्ष की आयु में वे कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज से जुड़ीं, जहां उन्हें निःशुल्क शिक्षा और प्रशिक्षण मिला। यहीं से उनके खेल करियर की नींव मजबूत हुई। शुरुआत में वे अपनी बड़ी बहन से प्रेरित थीं, जो तीरंदाजी में सक्रिय हैं, लेकिन अंजलि ने तैराकी को अपना मार्ग चुना। उनकी मेहनत जल्द ही रंग लाई और तैराकी शुरू करने के एक वर्ष के भीतर ही उन्होंने एक स्थानीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

अंजलि अपनी सफलता का श्रेय अपने कोचों और खेल मंत्रालय की 'अस्मिता लीग' पहल को देती हैं। वर्ष 2024 में संभलपुर में आयोजित इस लीग में उन्होंने दो रजत पदक जीते थे, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। इसके बाद गुवाहाटी में आयोजित अस्मिता स्विमिंग लीग (ईस्ट जोन) में भी उन्होंने दो रजत पदक हासिल किए।

हालांकि, इस उपलब्धि के बावजूद अंजलि संतुष्ट नहीं हैं। उनका लक्ष्य अपने 2:25 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय को बेहतर करना है। लगातार यात्रा और थकान के बावजूद उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

अब अंजलि की नजर आगामी स्पर्धाओं–50 मीटर बैकस्ट्रोक, 100 मीटर बैकस्ट्रोक और 200 मीटर इंडिविजुअल मेडली–पर है, जहां वे अपने प्रदर्शन को और बेहतर करने के इरादे से उतरेंगी।

अंजलि मुंडा की यह सफलता न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि सही अवसर और मार्गदर्शन मिलने पर प्रतिभा किस तरह नई ऊंचाइयों को छू सकती है।

राज्यपाल से धमतरी के सुदूर वनांचल क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चों ने की आत्मीय मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से लोकभवन में धमतरी जिले के सुदूर आदिवासी एवं वनांचल विकासखंड नगरी के विशेष प्रतिभावान स्कूली बच्चों ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान बच्चों की प्रतिभा और उपलब्धियों पर राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस समूह में शामिल 22 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए हुआ है, जबकि पांच बच्चों ने स्पोकन इंग्लिश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। क्षेत्र की विशेष प्रतिभा एआई वीडियो क्रिएटर सातवीं कक्षा की छात्रा कुमारी गरिमा साहू द्वारा तैयार वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया, जिसकी राज्यपाल श्री डेका ने सराहना की और उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

राज्यपाल ने इन बच्चों की सफलता में योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया और कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों को आगे बढ़ाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। राज्यपाल ने बच्चों से बातचीत करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना बहुत आवश्यक है। लक्ष्य को सामने रखकर निरंतर मेहनत और लगन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सरकारी स्कूलों के बच्चों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

उप मुख्यमंत्री खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स देखने पहुंचे

विजेताओं को दिए पदक, खिलाड़ियों से मिलकर हौसला अफजाई की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव रायपुर के पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय मैदान पहुंचकर खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत आयोजित वेट-लिफ्टिंग स्पर्धा देखने पहुंचे। उन्होंने विभिन्न प्रदेशों से आए खिलाड़ियों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई भी की। श्री साव ने वेट-लिफ्टिंग स्पर्धा के विजेताओं को पदक भी वितरित किए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार भी इस दौरान मौजूद थे।

जशपुर-सन्ना मार्ग के लिए 8 करोड़ से अधिक की स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जशपुर-सन्ना मार्ग के विभिन्न हिस्सों के मजबूतीकरण के लिए 8 करोड़ 4 लाख 40 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल इस परियोजना के तहत कुल 12.498 किलोमीटर लंबी सड़क का उन्नयन किया जाएगा। इस सड़क के सुदृढ़ होने से वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को वर्षभर सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। विशेषकर बरसात के मौसम में जहां आवागमन बाधित होता था, अब निरंतर संपर्क बना रहेगा। यह परियोजना क्षेत्रीय विकास को गति देने के साथ सामाजिक और आर्थिक बदलाव की मजबूत कड़ी साबित होगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बुजुर्गों को मिल रहा सुरक्षित आश्रय

100 वर्षीय सोहद राम चक्रेश को मिला पक्का घर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन से जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत टांगरगांव के 100 वर्षीय बुजुर्ग सोहद राम चक्रेश को इस योजना का लाभ मिला है, जिसने उनके जीवन में नई राहत और सुरक्षा का एहसास कराया है। वर्ष 2024-25 में स्वीकृत पक्के आवास ने उनके पुराने कच्चे मकान की असुरक्षा को समाप्त कर दिया है। उम्र के इस अंतिम पड़ाव पर, जब वे चलने-फिरने में असमर्थ हैं, तब यह पक्का घर उनके लिए सुरक्षित आश्रय और सुकून का माध्यम बना है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, पूर्व में कच्चे मकान में रहना काफी चुनौतीपूर्ण था। बरसात, ठंड और गर्मी के मौसम में बुजुर्ग की देखभाल करना कठिन होता था और हमेशा असुरक्षा बनी रहती थी। अब पक्का घर मिलने से न केवल रहने की सुविधा बेहतर हुई है, बल्कि पूरे परिवार को सुरक्षित वातावरण भी प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने पुनर्वास केंद्र दंतेवाड़ा में युवाओं से की मुलाकात

पुनर्वासित युवाओं के प्रशिक्षण का किया अवलोकन, वेलकम एवं इलेक्ट्रिकल टूल किट का किया वितरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने गुरुवार को दंतेवाड़ा स्थित पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को इलेक्ट्रिकल टूल किट एवं वेलकम किट का वितरण किया। नवरात्रि के अंतिम दिन उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दंतेवाड़ा पहुंचकर उन्होंने माँ दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात वे पुनर्वास केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने वहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से चर्चा की और उनकी आवश्यकताओं एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। युवाओं ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद वे अपने गृह ग्राम लौटकर खेती-किसानी करना चाहते हैं। इस पर श्री शर्मा ने आश्वस्त किया कि इच्छुक युवाओं को कृषि संबंधी प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

उपमुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुनर्वास नीति का उद्देश्य उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। उन्होंने युवाओं से अपने अन्य साथियों को भी पुनर्वास के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया, ताकि वे भी समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर उज्ज्वल भविष्य बना सकें। उन्होंने पुनर्वास केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, भोजन व्यवस्था एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की समीक्षा की। युवाओं द्वारा स्वयं भोजन बनाने की इच्छा जताने पर उन्होंने अनुमति प्रदान करते हुए कहा कि इच्छुक युवा स्वेच्छा से भोजन बना सकते हैं।

श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी पुनर्वासित युवाओं को ड्राइविंग प्रशिक्षण दिया जाए तथा केंद्र से बाहर जाने से पूर्व उनके ड्राइविंग लाइसेंस बनाना भी सुनिश्चित किए जाएं। उपमुख्यमंत्री उनसे अपील की कि यदि उनके परिजन या पहचान के लोग जेल में निरुद्ध हैं तो वे उनसे मिल सकते हैं या वे पुनर्वास केंद्र में आकर साथियों से मुलाकात कर सकते हैं और यदि वे जेल से पुनर्वास करना चाहें तो भी शासन उनकी हर संभव मदद कर जेल से पुर्नवास कराने को तैयार है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में केंद्र में कुल 107 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें 60 बीजापुर एवं 47 दंतेवाड़ा जिले के हैं। यहां इलेक्ट्रिकल, वेल्डिंग, प्लंबिंग, सिलाई और ड्राइविंग जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। अब तक 7 युवाओं को ड्राइविंग के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है तथा 75 युवाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया गया है। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा बस्तर से कभी अति संवेदनशील क्षेत्र माने जाने वाले मारडूम घाटी मार्ग से होते हुए चित्रकूट, लोहंडीगुड़ा और बारसूर के रास्ते दंतेवाड़ा पहुंचे थे।

खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहब कंगाले ने ली समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में गैस की उपलब्धता एवं वितरण प्रणाली के संबंध में ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहब कंगाले ने समीक्षा बैठक ली। बैठक में एलपीजी की उपलब्धता, वितरण प्रणाली एवं उपभोक्ता संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ता संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों को विगत माह की कुल खपत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही एलपीजी प्रदाय किया जाएगा। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में 25 दिवस तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिवस के भीतर एलपीजी रिफिल की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल सके। जिला प्रशासन को सभी एलपीजी वितरकों के कार्यालय एवं गोदामों में पुलिस एवं होमगार्ड के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे भीड़भाड़ एवं अव्यवस्था की स्थिति न बने। साथ ही वितरकों को अपने दूरभाष नंबर सक्रिय रखने एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

उपलब्ध स्टॉक को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संस्थानों के लिए प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें शैक्षणिक संस्थान एवं चिकित्सालय, सैन्य एवं अर्द्धसैन्य कैंप, जेल, होटल, समाज कल्याण विभाग के संस्थान, रेलवे एवं एयरपोर्ट कैंटीन, शासकीय कार्यालय, गेस्ट हाउस, पशु आहार उत्पादक इकाइयां तथा रेस्टोरेंट शामिल हैं। बैठक में यह भी तय किया गया कि कमर्शियल एलपीजी स्टॉक की उपलब्धता एवं वितरण की दैनिक समीक्षा ऑयल कंपनियों द्वारा की जाएगी तथा इसकी जानकारी प्रतिदिन विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी।

इस अवसर पर खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की संचालक डॉ. फरिहा आलम, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के सदस्य सचिव श्री राजीव कुमार जायसवाल, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के मंडल एलजी प्रमुख श्री श्रीपाद बक्षी, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के प्रादेशिक प्रबंधक श्री दिलीप मीणा, हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री मंगेश डोंगरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एशियन गेम्स का पदक जीतना मेरा अधूरा सपना - केआईटीजी उद्घाटन पर बोलीं मीराबाई चानू

टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स को बताया गेम-चेंजर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सेखोम मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के उद्घाटन अवसर पर अपने करियर के सबसे बड़े अधूरे लक्ष्य, एशियन गेम्स पदक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह सपना अब भी उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले एक दशक से भारतीय वेटलिफ्टिंग की अग्रणी खिलाड़ी रही मीराबाई ने ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में कई पदक जीते हैं, लेकिन एशियाई खेलों में पदक अब तक उनसे दूर रहा है। उन्होंने 2014 इंचियोन एशियन गेम्स में 19 वर्ष की उम्र में पदार्पण किया था, जहां वे नौवें स्थान पर रहीं। इसके बाद 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में पीठ की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले सकीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में हिप की चोट ने उनका सपना अधूरा छोड़ दिया। 31 वर्षीय मीराबाई ने कहा कि - 'एशियन गेम्स मेरे लिए बेहद खास है। वहां प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊंचा होता है, और यही इसे सबसे चुनौतीपूर्ण बनाता है। मेरा सपना है कि मैं वहां पदक जीतूं।' हालांकि, इस लक्ष्य की राह आसान नहीं है। नियमों में बदलाव के कारण उन्हें 48 किलोग्राम और 49 किलोग्राम वर्ग के बीच संतुलन बनाना होगा। वे 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में 48 किलोग्राम वर्ग में उतरेंगी, जबकि 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक नागोया (जापान) में आयोजित एशियन गेम्स में 49 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

उन्होंने बताया कि कॉमनवेल्थ गेम्स तक मैं 48 किलोग्राम में खेलूंगी, लेकिन एशियन गेम्स के लिए फिर से 49 किलोग्राम वर्ग में आना होगा, जो एक बड़ी चुनौती है। मीराबाई ने हाल ही में राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 किलोग्राम वर्ग में तीन नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए। उन्होंने स्नैच में 89 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 116 किलोग्राम वजन उठाते हुए कुल 205 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस अवसर पर उन्होंने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन देश के दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे आने का मौका मिलता है, खासकर उत्तर-पूर्व और जनजातीय इलाकों में जहां बहुत टैलेंट है, लेकिन मंच की कमी रहती है। मीराबाई ने नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (NCOE), खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और साई ट्रेनिंग सेंटर की भी प्रशंसा की। उनके अनुसार, इन संस्थानों में खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, पोषण और सुविधाएं मिल रही हैं, जो भारतीय खेलों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

कुनकुरी में पब्लिक हेल्थ यूनिट निर्माण पूर्णता की ओर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जिला चिकित्सालय में 50 बिस्तरों वाला अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक निर्माण अंतिम चरण में है, वहीं कुनकुरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार, क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत 16 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। वर्तमान में यह निर्माण कार्य फिनिशिंग स्तर पर है और जून 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है। इसी तरह, कुनकुरी में पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन का निर्माण 50 लाख रुपये की लागत से हो रहा है और वर्तमान में प्लिंथ स्तर तक का कार्य पूर्ण हो चुका है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा